■ मार्गशीर्ष कृष्णा - 8 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 118 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 23-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बल्लेबाजों के 'फ्लॉप शो' के बाद जसप्रीत बुमराह ने टीम इंडिया को मैच में लौटाया

6 प्रधानमंत्री की गुयाना यात्रा से भारत को क्या फायदा होगा?

7 मालविका मोहनन फिल्म 'द राजा साहब' में प्रभास के साथ आएंगी नजर

मजबूत नींव पर विकसित भारत की भव्य इमारत का निर्माण होगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ हमने एक प्रगतिशील और स्थिर नीति-निर्माण का माहौल बनाया, ताकि हमारा कारोबार आगे बढ़ सके। आज भारत में एक मजबूत नींव रखी गई है जिस पर विकसित भारत की भव्य इमारत खड़ी होगी।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया भारत के रणनीतिक महत्व को स्वीकार कर रही है और यह पिछले 10 वर्षों के ''सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन'' मंत्र के कारण संभव हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में एक मजबूत नींव रखी गई है जिसपर विकसित भारत की भव्य इमारत का निर्माण किया जाएगा। जर्मनी के स्टटगार्ट में आयोजित 'न्यूज9 ग्लोबल समिट' को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत-जर्मनी साझेदारी मजबूत हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और दुनिया का हर देश विकास के लिए भारत के साथ साझेदारी करना चाहता है। जर्मनी का 'फोकस ऑन इंडिया' दस्तावेज इसका एक उदाहरण है। यह दस्तावेज दिखाता है कि दुनिया भारत के रणनीतिक महत्व को कैसे स्वीकार कर रही है।''

उन्होंने शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों का ''सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन'' मंत्र दुनिया की सोच में बदलाव के पीछे रहा है, जिसका विषय 'भारत और जर्मनी: सतत विकास के लिए एक खाका' है।

मोदी ने कहा, ''हर क्षेत्र में नई नीतियां बनाई गई हैं। हमने लालफीताशाही को खत्म किया और कारोबार को आसान बनाया। भारत ने बैंकों को मजबूत किया ताकि विकास के लिए समय पर पूंजी उपलब्ध हो सके। जटिल कर प्रणाली को सरल बनाया गया।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमने एक प्रगतिशील और स्थिर नीति-निर्माण का माहौल बनाया, ताकि हमारा कारोबार आगे बढ़ सके। आज भारत में एक मजबूत नींव रखी गई है जिस पर विकसित भारत की भव्य इमारत खड़ी होगी। जर्मनी इस मामले में एक भरोसेमंद साझेदार है।''

मोदी ने कहा कि किसी भी देश के तेज विकास के लिए भौतिक, सामाजिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''भारत में तीनों मोर्चों पर बुनियादी ढांचे के निर्माण का काम तेज गति से चल रहा है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि भारत की गतिशीलता जर्मनी की सटीकता से मिले, जर्मनी की इंजीनियरिंग भारत के नवाचार के साथ मिले।''

बेंगलूरु में छह करोड़ रुपए का मादक पदार्थ जब्त, पांच गिरफ्तार

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु पुलिस ने यहां अलग-अलग अभियानों में पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और छह करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ की दो बड़ी खेप पकड़ी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस को संदेह है कि बेंगलूरु और उसके आसपास के क्षेत्र में नये साल के जश्न के मौके पर मादक पदार्थों की आपूर्ति के लिए उसे शहर में तस्करी कर लाया जा रहा हो। पहले मामले में, केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) पुलिस ने सोलादेवनहल्ली थानाक्षेत्र में 'एमडीएमए क्रिस्टल', कोकीन और 'एक्स्टसी' गोलियों जैसे प्रतिबंधित मादक पदार्थों की बिक्री में कथित रूप से शामिल दो विदेशियों से जब्त की। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने यहां संवाददाताओं से कहा, '' हमने 1.5 किलोग्राम एमडीएमए क्रिस्टल, 202 ग्राम कोकीन और 12 एक्स्टसी गोलियां जब्त की हैं।

यौन उत्पीड़न मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने

प्रज्ज्वल रेवन्ना को अग्रिम जमानत देने से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की एक मामले में अग्रिम जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी।

रेवन्ना के खिलाफ यह मामला 12 जून को बेंगलूरु में आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के साइबर अपराध थाने में यौन उत्पीड़न के आरोप में दर्ज किया गया। मामले में उन पर यौन उत्पीड़न, पीछा करने और आपराधिक धमकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कानून के तहत निजता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया। इस मामले में शिकायतकर्ता एक महिला है, जिसका वीडियो कॉल के जरिये कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया।

रेवन्ना के वकीलों ने इस आधार पर अग्रिम जमानत याचिका को वापस लेना चाहा कि मामले में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है, लेकिन न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने उन्हें याचिका वापस लेने की अनुमति नहीं दी और इसके बजाय याचिका खारिज कर दी।

रेवन्ना फिलहाल यहां परप्पना अग्रहारा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं और उनके खिलाफ चार अलग-अलग मामलों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। होलेनरसिपुरा टाउन थाने में दर्ज एक मामले के संबंध में 31 मई को जर्मनी से बेंगलूरु हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद एसआईटी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। रेवन्ना इस साल लोकसभा चुनावों में हासन संसदीय क्षेत्र से चुनाव हार गए थे।

फर्स्ट टेक

मंगलूरु में तीन वर्षीय बच्ची के यौन उत्पीड़न के आरोप में सत्तर वर्षीय बुजुर्ग गिरफ्तार

मंगलूरु (कर्नाटक)/भाषा। मंगलूरु में उल्लाल थानाक्षेत्र के बाले पुनी गांव में तीन साल की एक बच्ची का 70 साल के एक बुजुर्ग द्वारा कथित रूप से यौन उत्पीड़न करने का मामले सामने आया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। मंगलूरु के पुलिस उपायुक्त (कानून एवं व्यवस्था) सिद्धार्थ गोयल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पुलिस ने स्थानीय दुकानदार 70 वर्षीय अब्दुल्ला को आज इस मामले में गिरफ्तार किया और विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे जेल भेज दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी मुडांगरकट्टे में रहता है और वह मूल रूप से पुत्तूर का निवासी है।

ईडी ने 'अवैध' सट्टेबाजी ऐप मामले में सूरत में संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने गुजरात के सूरत से संचालित किये जा रहे एक ''अवैध'' सट्टेबाजी ऐप गिरोह की धनशोधन जांच के तहत 1.84 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। यह मामला सूरत पुलिस की अपराध अनुसंधान शाखा (डीसीबी) की प्राथमिकी से उपजा है, जो हरीश उर्फ कमलेश जरीवाला, आर अधिकार शिंदे और हुजेफा कौसर मसाकरवाला नाम के आरोपियों के खिलाफ दर्ज की गई थी। पुलिस ने उन पर विभिन्न व्यक्तियों के पहचान पत्र हासिल करने, उनके नाम पर किराया समझौते तैयार करने, ऐसे समझौतों में दुकान मालिकों के ''जाली'' हस्ताक्षर करने, फर्जी फर्म का लाइसेंस प्राप्त करने के लिए पहचान दस्तावेजों का ''दुरुपयोग'' करने और विभिन्न बैंकों में ''फर्जी' खाते खोलने का आरोप लगाया था।

ट्रंप की वापसी से मुझे दुख हुआ : पूर्व जर्मन चांसलर मर्केल

बर्लिन/एपी। पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल का कहना है कि (अमेरिका में) डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में लौटने पर उन्हें 'दुख' हुआ और उन्हें याद है कि उनके साथ हर भेंट ''एक प्रतियोगिता होती थी: आप या मैं।'' जर्मन साप्ताहिक 'डेर स्पीगेल' में शुक्रवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में मर्केल ने कहा कि ट्रंप दुनिया खासकर बहुपक्षवाद के लिए एक चुनौती हैं। उन्होंने कहा, ''अब जो हमारे लिए इंतजार कर रहा है, वह वास्तव में आसान नहीं है क्योंकि दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था इस राष्ट्रपति के पीछे खड़ी है एवं डॉलर प्रमुख मुद्रा है।'' मर्केल ने जर्मन चांसलर रहते हुए चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ काम किया।

23-11-2024 सूर्यास्त 5:39 बजे	24-11-2024 सूर्योदय 6:11 बजे
BSE 79,117.11 (+1,961.32)	NSE 23,907.25 (+557.35)
सोना 8,110 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 102,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भय का भूत

हवाओं तक में बेचैनी,
अजब ये दौर ऐसा है।
नहीं कुछ सूझता सबको,
तमस घनघोर ऐसा है।
सभी का दिल चुरा लेगा,
वो माहिर चोर ऐसा है।
वही है मुल्क का मालिक,
यहां अब शोर ऐसा है।।

कांग्रेस ने अदाणी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु/भाषा। अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी पर अमेरिका में कथित रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी का आरोप लगने के बाद विपक्ष ने शुक्रवार को भी जोर-शोर के साथ उनकी गिरफ्तारी की मांग की जबकि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के सहयोगी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कथित अनियमितताओं के संबंध में कार्रवाई करने का वादा किया।

देश भर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों ने अदाणी की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ जांच शुरू करने की मांग को लेकर संवाददाता सम्मेलन किए।

अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी पर चार भारतीय राज्यों में सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को लगभग 2,200 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की एक विस्तृत योजना का हिस्सा होने का आरोप लगाया है।

अदाणी समूह ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि अमेरिकी अभियोजकों के आरोप निराधार हैं और समूह सभी कानूनों का अनुपालन करता है।

मुख्यमंत्री नायडू ने किया कार्रवाई करने का वादा

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू ने अमरावती में कहा कि राज्य सरकार के पास पिछली वाईएसआरसीपी सरकार और अदाणी समूह से जुड़े कथित रिश्वत घोटाले से संबंधित अमेरिका में दायर आरोपपत्र देख रही है। उन्होंने अनियमितताओं पर कार्रवाई करने का वादा किया। पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के अधिकारियों पर अदाणी समूह से रिश्वत लेने का आरोप है।

अदाणी से जुड़े भ्रष्टाचार की कीमत आम भारतीय चुका रहा है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि अदाणी समूह से जुड़े 'भ्रष्टाचार' की क़ीमत आम भारतीय को चुकानी पड़ रही है।

राहुल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह भ्रष्टाचार का बेहद ख़तरनाक खेल है। अदाणी मोदी जी को फंड देते हैं और बदले में मोदी जी उन्हें देश की राष्ट्रीय संपत्ति सौंपते हैं। वे दोनों सबसे पहले एक-दूसरे की रक्षा करते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि इसमें क़ीमत आम भारतीय को चुकानी पड़ रही है।

राहुल ने कहा, ''जब अदाणी रिश्वत देकर महंगी बिजली बेचने का सौदा करते हैं, तब बढ़े हुए बिजली के दाम किसे देने पड़ते हैं? आपको, जनता को। जब घोटाले सामने आने पर अदाणी के फ़र्ज़ी तरीक़े से बढ़ाए हुए शेयर गिरते हैं, तब नुक़सान किसका होता है? आपका, खुदरा निवेशकों का।''

भारतीयों को 'ब्रांड भारत' बनाने के लिए पश्चिम के फरमानों पर ध्यान नहीं देना चाहिए : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। अगर हम 'ब्रांड भारत' बनाना चाहते हैं, तो हमें सही क्या है, इस बारे में पश्चिम के फरमानों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को यहां 'इंडिया आइडियाज कॉन्क्लेव 2024' में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''हम हजारों साल से वस्तुओं का उत्पादन कर रहे हैं, शोषण की बात कभी नहीं उठी... और अचानक एक पारंपरिक उद्योग जैसे, मान लीजिए, कालीन बनाने के काम के लिए, आपको पश्चिम के खरीदारों से एक फरमान आया कि आप इन कालीनों को बनाने के लिए बच्चों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम इसे आपसे नहीं खरीदेंगे।''

सीतारमण ने कहा, ''भारत में परिवार बच्चों को स्कूली शिक्षा से वंचित किए बिना शिल्पकार बनाने में लगे हुए हैं, क्योंकि जब तक शिल्प बहुत कम उम्र में नहीं सीखा जाता है, एक शिल्पकार कभी इसमें महारत हासिल नहीं कर सकता। ऐसे में हमें खड़े होकर कहना होगा कि हम उनकी शिक्षा का ख्याल रखते हैं।'' उन्होंने कहा कि बेहतर नैतिक उत्पादन के लिए जिस तरह के कदम उठाने की जरूरत है, वे हमारी तरफ से अपने आप होने चाहिए, न कि पश्चिमी फरमानों के जारी होने के बाद किए जाने चाहिए।

सीतारमण ने यह भी कहा कि हमारे मंदिरों और हमारे प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का महत्व अभी की तुलना में बहुत अधिक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को यह बताने की जरूरत है कि प्राचीन काल से ही विज्ञान में भारत की ताकत अटूट रही है। सीतारमण ने कहा कि भारत के पास 'सुश्रुत संहिता' जैसे प्राचीन ग्रंथों की बदौलत ज्ञान का समृद्ध भंडार है। ये प्राचीन भारत के ब्रांड हैं, जिनका हम आज भी उल्लेख करते हैं।

भारत और जापान ने सैन्य उपकरणों के सह-विकास का निर्णय लिया

नई दिल्ली/भाषा। भारत और जापान ने रणनीतिक समुद्री क्षेत्र में चीन की सैन्य ताकत आजमाइश को लेकर साझा चिंताओं के बीच दोनों रणनीतिक साझेदारों की सेनाओं के बीच अधिक अंतर-संचालन के लिए परस्पर आपूर्ति और सेवा समझौते की व्यवस्था पर विचार-विमर्श किया। लाओस की राजधानी विएंतियाने में एक क्षेत्रीय सुरक्षा सम्मेलन के मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके जापानी समकक्ष जनरल नाकातानी के बीच एक बैठक में इस प्रस्तावित समझौते पर चर्चा की गयी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष सैन्य हार्डवेयर (उपकरणों) के सह-उत्पादन और सह-विकास में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। उसने कहा, ''भारतीय और जापानी सेनाओं के बीच अंतर-संचालन को और बेहतर बनाने के लिए, दोनों देशों के बीच आपूर्ति और सेवा के पारस्परिक प्रावधान समझौते और विभिन्न द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय अभ्यासों में सेनाओं की भागीदारी पर दोनों मंत्रियों द्वारा चर्चा की गई।''

'राष्ट्र प्रथम' की भावना भारत की प्रगति की कुंजी है : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

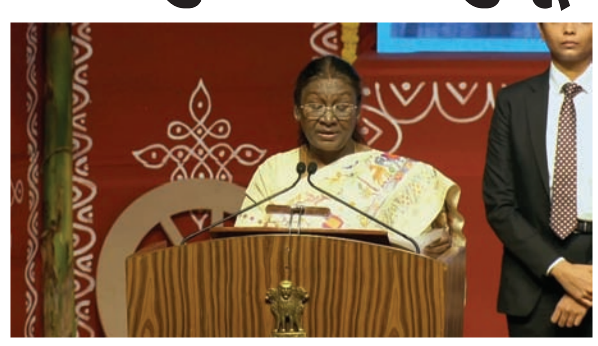

हैदराबाद/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुल्क को विकसित देश बनाने के लिए शुक्रवार को लोगों के बीच ''राष्ट्र प्रथम'' की भावना पैदा करने के महत्व पर जोर दिया। मुर्मू यहां ''राष्ट्रवादी विचारकों'' की एक संगोष्ठी, लोकमंथन-2024'' के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित कर रही थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि औपनिवेशिक शासकों ने न केवल ''भारत का आर्थिक शोषण किया'' बल्कि ''इसके सामाजिक ताने-बाने को भी नष्ट करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, (औपनिवेशिक) शासकों ने हमारी समृद्ध बौद्धिक परंपराओं की उपेक्षा की, उन्होंने नागरिकों में सांस्कृतिक हीनता की भावना पैदा की। हमारी एकता को कमजोर करने के लिए ऐसी प्रथाएं हम पर थोपी गईं। सदियों की पराधीनता ने नागरिकों को गुलामी की मानसिकता में पहुंचा दिया। विकसित भारत के लिए 'राष्ट्र प्रथम' की भावना पैदा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज को विभाजित करने और कृत्रिम मतभेद पैदा करने के प्रयासों का उद्देश्य एकता को कमजोर करना था। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारतीयता की भावना ने राष्ट्रीय एकता की लौ को जीवित रखा है।

अगले साल 14 मार्च से 25 मई तक होगा इंडियन प्रीमियर लीग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अगले साल इंडियन प्रीमियर लीग 14 मार्च से 25 मई के बीच होगा। बीसीसीआई ने आईपीएल टीमों को यह बताया है और 2026 तथा 2027 सत्र के लिए भी यही विंडो रखी है।

बीसीसीआई ने जेद्दा में रविवार से होने वाली दो दिवसीय नीलामी में चोटों से जूझने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर, भारतीय मूल के अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर और मुंबई के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज हार्दिक तामोर को भी शामिल करने का फैसला किया है।

टीमों को भेजे गए पत्र में बोर्ड ने कहा कि अगले तीन सत्र की तारीखें इसलिए साझा की गई है ताकि टीमों को खिलाड़ियों की नीलामी की रणनीति बनाने में मदद मिल सके। वर्ष 2026 में टूर्नामेंट 15 मार्च से 31 मई तक और 2027 में 14 मार्च से 30 मई तक होगा। तीनों फाइनल रविवार को खेले जायेंगे।

सुरक्षाबलों की नक्सलियों से मुठभेड़, 10 के शव बरामद

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गए। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोराजुगुड़ा, दंतेसपुरम, नागाराम और भंडारपदर के जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को ढेर कर दिया। उन्होंने बताया कि जिले के दक्षिण क्षेत्र में कोंटा और किस्टाराम एरिया कमेटी के नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर जिला रिजर्व बल (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के संयुक्त दल को रवाना किया गया था।

एक लाख डॉलर के करीब पहुंचा क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/एपी। बिटकॉइन ने पहली बार 99,000 डॉलर से ऊपर पहुंचकर रिकॉर्ड ऊंचाई को छूने का सिलसिला जारी रखा। इस क्रिप्टोकरेंसी ने केवल दो सप्ताह में 40 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई है।

क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स के पतन के बाद 17,000 डॉलर से नीचे गिरने के दो साल बाद अब बिटकॉइन एक लाख डॉलर के करीब पहुंच गया है।

यह आश्चर्यजनक तेजी ऐसे वक्त में आई है, जब उद्योग विशेषज्ञ उम्मीद कर रहे हैं कि आगामी ट्रम्प प्रशासन डिजिटल मुद्रा को विनियमित करने के लिए क्रिप्टो के लिए अधिक अनुकूल नीति लेकर आएगा।

कॉइनडेस्क के अनुसार शुक्रवार की सुबह बिटकॉइन 98,882 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। ट्रंप पहले क्रिप्टोकरेंसी को लेकर संशय में थे, लेकिन चुनाव से पहले उन्होंने अपना विचार बदलते हुए क्रिप्टोकरेंसी की तरफदारी की।

उन्होंने अमेरिका को धरती की क्रिप्टो राजधानी बनाने और बिटकॉइन का रणनीतिक भंडार तैयार करने का संकल्प लिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान चंदे के रूप में क्रिप्टोकरेंसी को भी स्वीकार किया।

क्रिप्टो उद्योग के समर्थकों ने ट्रंप की जीत का स्वागत किया। उन्हें उम्मीद है कि वह विधायी और नियामक परिवर्तनों को आगे बढ़ाने में सक्षम होंगे, जिनकी वे लंबे समय से पैरवी कर रहे थे।

‘समृद्ध, स्वस्थ और खुशहाल’ राज्य के लिए स्वर्ण आंध्र-2047 का ‘विजन’ पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को यहां विधानसभा में ‘स्वर्ण आंध्र 2047’ का ‘विजन’ दस्तावेज पेश किया। इस दस्तावेज में राज्य को अगले 23 वर्षों में ‘समृद्ध, स्वस्थ और खुशहाल’ आंध्र प्रदेश बनाने की परिकल्पना की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि औपनिवेशिक शासन से भारत को मिली स्वतंत्रता की शताब्दी वर्षगांठ के लिए 2047 महत्वपूर्ण है और सभी को 100 वर्षों में हासिल की गई चीजों को गर्व के साथ बताना होगा। नायडू ने सदन को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत 2047 की शुरुआत की है और हम स्वर्ण आंध्र 2047 की शुरुआत कर रहे हैं। आंध्र समृद्ध, स्वस्थ और खुशहाल होना चाहिए...। मुख्यमंत्री के अनुसार, विजन’ दस्तावेज का मसौदा व्यापक विचार-विमर्श और जमीनी स्तर पर भागीदारी के बाद तैयार किया गया है, इसके तहत मंडल और नगर पालिका स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया और 1.18 करोड़ से अधिक परिवारों को इसमें शामिल किया गया। नायडू ने ‘विजन’ के ब्योरे को पढ़ते हुए कहा, वर्ष 2047 तक आंध्र प्रदेश एक खुशहाल, समृद्ध और जिम्मेदार तेलुगु राज्य बनने की कल्पना करता है, जो एक प्रगतिशील तथा समावेशी समुदाय को बढ़ावा देगा, नवाचार की दिशा में बढ़ेगा एवं वैश्विक स्तर पर व्यापार करने की गति के लिए ज्ञान का केंद्र बनेगा। तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख ने कहा कि यह ‘विजन’ ‘पथी सुत्रलु’ (10 दिशानिर्देश) या व्यापक लक्ष्यों से प्रेरित होगा, जिसमें शून्य गरीबी, रोजगार, कौशल विकास और मानव संसाधन विकास, जल सुरक्षा, कृषि तकनीक, स्वच्छ आंध्र, सभी क्षेत्रों में गहन तकनीक आदि चीजें इसमें शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जल्द ही ‘विजन’ दस्तावेज के लिए कार्ययोजना तैयार करेगी। इसके अलावा, उन्होंने विधायकों से अपने निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर इसी तरह की कवायद करने और निर्वाचन क्षेत्र-विशिष्ट ‘विजन’ दस्तावेज तैयार करने का आह्वान किया। इसके अलावा, नायडू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जून में सत्ता में आने के बाद से राष्ट्रवादी जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने 4.38 लाख करोड़ रुपए के संभावित निवेश हासिल किए हैं, जिससे 4.53 लाख लोगों को नौकरी मिलने की संभावना है।

विदेशी मुद्रा भंडार 17.76 अरब डॉलर घटकर 657.89 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 17.76 अरब डॉलर घटकर 657.89 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.47 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब डॉलर रहा था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था। उसके बाद से इसमें पिछले कई हफ्ते से गिरावट आ रही है।

रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, आठ नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 15.55 अरब डॉलर घटकर 569.83 अरब डॉलर रहीं।

डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.07 अरब डॉलर घटकर 65.75 अरब डॉलर रहा।

विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 9.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.06 अरब डॉलर रहा।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 5.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.25 अरब डॉलर पर आ गया।

केजरीवाल से ‘‘हजार गुना बेहतर’’ हैं मुख्यमंत्री आतिशी : उपराज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी की प्रशंसा करते हुए उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने पूर्ववर्ती अरविंद केजरीवाल से ‘‘हजार गुना बेहतर’’ हैं।

इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में सक्सेना ने कहा, मुझे आज खुशी है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री एक महिला हैं और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि वह अपने पूर्ववर्ती से हजार गुना बेहतर हैं। उपराज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में शामिली हुई आतिशी की ओर देखकर यह टिप्पणी की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आतिशी ने भी छात्राओं को संबोधित किया।

अपने संबोधन में सक्सेना ने छात्राओं से कहा, जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आपके सामने चार मार्गदर्शक बातें होती हैं। पहला है स्वयं के प्रति आपकी जिम्मेदारी, दूसरा है अपने माता-पिता और परिवार के प्रति आपकी जिम्मेदारी, जबकि तीसरा है समाज और राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी।

उन्होंने कहा, चौथी जिम्मेदारी यह है कि आप स्वयं को एक ऐसी महिला के रूप में साबित करें, जिसने लिंग भेदभाव की दीवार को तोड़ा और सभी क्षेत्रों में दूसरों के बराबर खड़ी हुई।

आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच शासन तथा नौकरशाही पर नियंत्रण सहित कई मुद्दों को लेकर टकराव जारी है। भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे केजरीवाल ने सितंबर में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और कहा था कि वह जनता से ‘‘ईमानदारी का प्रमाण पत्र’’ मांगेंगे।

केजरीवाल ने विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी के नाम का प्रस्ताव रखा था, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया था।

भाजपा नेता विनोद तावड़े ने खरगे और राहुल से माफी मांगने को कहा, मानहानि के मुकदमे की धमकी दी

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा नेता विनोद तावड़े ने महाराष्ट्र में नोट के बदले वोट मामले में उनके खिलाफ लगाए गए ‘झूठे और निराधार’ आरोपों के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की। तावड़े ने कहा कि अगर दोनों नेताओं ने ऐसा नहीं किया तो वह उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा करेंगे। क्षेत्रीय दल बहुजन विकास आघाड़ी ने तावड़े पर मतदाताओं को लुभाने के लिए पांच करोड़ रुपए बांटने का आरोप लगाया। पार्टी के सदस्य 19 नवंबर को मुंबई के एक होटल के कमरे में जबरन घुस गए थे, जहां भाजपा नेता भी मौजूद थे। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तावड़े ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग एवं पुलिस की जांच में कथित रकम बरामद नहीं हुई। तावड़े ने कहा, कांग्रेस केवल झूठ फैलाने में विश्वास करती है और यह घटना मेरी व मेरी पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए विपक्षी दल की निम्न स्तर की राजनीति का सबूत है। खरगे, राहुल और पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने इस विवाद का फायदा उठाते हुए भाजपा पर राज्य में 20 नवंबर को हुए विस चुनाव को प्रभावित करने के लिए धनबल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

सोना 1,100 रुपए उछला, चांदी में 300 रुपए की तेजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शादी विवाह के कारण आभूषण एवं खुदरा विक्रेताओं की लिवाली से शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने का भाव 1,100 रुपए उछलकर दो सप्ताह के उच्च स्तर 84,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 79,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 300 रुपए की तेजी के साथ 93,300 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सर्राफा संघ के अनुसार 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में 1,100 रुपए की तेजी आई है। इसके साथ लगातार दूसरे दिन बढ़त दर्ज करते हुए यह 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। बृहस्पतिवार को सोने की कीमत 78,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष और शोध विश्लेषक (जिंस एवं मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, सोने की खोई हुई स्थिति वापस आने के साथ ही तेजी का रुझान बरकरार है।

वैश्विक स्तर पर जिंस बाजार में सोना वायदा 36 डॉलर प्रति औंस बढ़कर 2,735.30 डॉलर प्रति औंस रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव के बीच सोने के व्यापारियों ने डॉलर की मजबूती को नजरअंदाज कर दिया, जिससे सर्राफा की ओर सुरक्षित निवेश प्रवाह बढ़ रहा है। एशियाई बाजार में चांदी 1.42 प्रतिशत बढ़कर 31.83 डॉलर प्रति औंस पर रही।

तंजानिया की उच्चायुक्त ने ‘अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव’ को सांस्कृतिक जुड़ाव का उत्कृष्ट उदाहरण बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारत में तंजानिया की उच्चायुक्त अनीसा के मबेगा ने कहा वार्षिक ‘अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव’ एक शानदार उदाहरण है कि कैसे संस्कृति वैश्विक सद्भाव और आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए लोगों को एक साथ ला सकती है।

मबेगा ने गीता महोत्सव जैसे आयोजनों को उत्सव से कहीं बढ़कर बताते हुए कहा, ये आयोजन हमें जोड़ने वाले सेतु हैं, जो घनिष्ठ संबंधों को और मजबूत बनाते हैं और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए एक-दूसरे की सराहना करते हैं।

इस वर्ष हरियाणा के कुरुक्षेत्र में 28 नवंबर से 15 दिसंबर तक मनाए जाने वाले ‘अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव’ के लिए तंजानिया भागीदार देश और ओडिशा भागीदार राज्य है। तंजानिया की राजदूत यहां संवाददातओं को संबोधित कर रही थीं और उनसे पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महोत्सव को लेकर विचार व्यक्त किए थे। इस अवसर पर आगामी महोत्सव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस महोत्सव का यह नौवां संस्करण है और मुख्य कार्यक्रम पांच से 11 दिसंबर तक आयोजित किए जाएंगे। मबेगा ने कहा, मैं हरियाणा सरकार और आयोजकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने मुझे इस प्रतिष्ठित समारोह का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया और तंजानिया को भागीदार देश बनाया। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 का हिस्सा बनना हमारे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, यह आयोजन एक शानदार उदाहरण है कि कैसे संस्कृति लोगों को साथ ला सकती है, वैश्विक सद्भाव और आपसी

उमर अब्दुल्ला ने किश्तवाड़ में नागरिकों पर अत्याचार के आरोपों की पारदर्शी जांच की मांग की

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को किश्तवाड़ जिले में सेना द्वारा आम नागरिकों पर अत्याचार के आरोपों की पारदर्शी जांच की मांग की और कहा कि अगर सैनिकों के खिलाफ सबूत हैं, तो इसमें शामिल लोगों का ‘कोर्ट मार्शल’ किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यहां एक समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा, मुझे उम्मीद है कि सेना कोई ढिलाई नहीं दिखाएगी और पारदर्शी तरीके से जांच करेगी। सेना ने पहले एक बयान में कहा था कि उसने किश्तवाड़ में आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान आम नागरिकों के साथ कथित दुर्व्यवहार के मामले में जांच शुरू कर दी है। मुगल मैदान क्षेत्र में 20 नवंबर को आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान कुछ सैनिकों पर पांच नागरिकों की पिटाई करने और उन्हें घायल करने का आरोप है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर घटना में शामिल सैनिकों के खिलाफ सबूत हैं, तो उनका ‘कोर्ट मार्शल’ किया जाना चाहिए। अगर इस कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सबूत हैं, तो उनका तुरंत ‘कोर्ट मार्शल’ किया जाना चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।

केजरीवाल ने दिल्ली चुनाव से पहले ‘रेवड़ी पर चर्चा’ अभियान शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को ‘रेवड़ी पर चर्चा’ अभियान शुरू किया।

केजरीवाल ने अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि पार्टी के जिला और बूथ स्तर के पदाधिकारी मतदाताओं तक पहुंचेंगे और ‘आप’ सरकार द्वारा दी जा रही मुफ्त सुविधाओं (रेवड़ियों) के संबंध में पर्चे बांटेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे कार्यकर्ता पूरी दिल्ली में 65,000 सभाएं करेंगे ताकि लोगों को यह समझाया जा सके कि इन मुफ्त सुविधाओं का क्या मतलब है और कैसे केवल ‘आप’ ही इन्हें प्रदान कर सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, महिलाओं के लिए बस यात्रा और बुजुर्गों के लिए तीर्थ यात्रा की सुविधा मुफ्त प्रदान कर रही है। केजरीवाल ने कहा, दिल्ली में महिलाओं के लिए एक और ‘रेवड़ी’ -1,000 रुपए मासिक सहायता – जल्द शुरू की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राष्ट्रीय राजधानी में सभी मुफ्त सुविधाएं बंद करना चाहती है। केजरीवाल ने कहा, भाजपा 20 राज्यों में सत्ता में है और एक भी राज्य में वह मुफ्त रेवड़ी नहीं देती और ऐसा इसलिए है क्योंकि उनका ऐसा करने का इरादा ही नहीं है। केवल ‘आप’ ही जानती है कि ये सुविधाएं कैसे दी जानी हैं।

योजनाओं को ‘रेवड़ी’ बताने पर भाजपा ने की केजरीवाल की आलोचना

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की ‘रेवड़ी’ बांटने की राजनीति की आलोचना करते हुए कहा कि वह कल्याणकारी योजनाओं को उनके द्वारा किए गए ‘दान’ की तरह दिखा रहे हैं। इससे पहले दिन में अपनी पार्टी के रेवड़ी पर चर्चा अभियान की शुरुआत करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आप सरकार दिल्ली के लोगों को छह रेवड़ी (मुफ्त सुविधाएं) दे रही है, जिसे भाजपा अगर आगामी विस चुनाव जीतती है, तो बंद कर देगी।

भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यह सुनिश्चित करना हर सरकार का कर्तव्य है कि कल्याणकारी योजनाएं हर नागरिक तक पहुंचे, लेकिन केजरीवाल की भाषा से ऐसा लगता है कि वह खैरात बांट रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो वह दिल्ली में केंद्र सरकार की सभी पहलों को लागू करेगी और मध्यम वर्ग सहित अधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए कल्याणकारी योजनाओं का दायरा बढ़ाएगी। सचदेवा ने कहा, कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक दिल्लीवासी का अधिकार है और सत्ता में आने पर भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि ये अधिकार बरकरार रहें।

व्यापार संघों को प्रतिस्पर्धा कानून के दायरे में काम करना चाहिए : कौर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की चेयरपर्सन रवनीत कौर ने शुक्रवार को कहा कि व्यापार संघों को प्रतिस्पर्धा कानून के दायरे में काम करना चाहिए, क्योंकि उनकी कार्यों से कभी-कभी प्रतिस्पर्धा-रोधी गतिविधि जैसे नतीजे सामने आ सकते हैं।

सीसीआई निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और बाजार में अनुचित व्यापारिक तरीकों पर अंकुश लगाने के लिए काम करता है। सीसीआई और मर्चेंट्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा कोलकाता में प्रतिस्पर्धा कानून पर आयोजित एक क्षेत्रीय कार्यशाला में कौर ने खुली बातचीत में शामिल होने और समान अवसर बनाए रखने में व्यापार संघों की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र किया।

नियामक ने एक बयान में कौर के हवाले से कहा कि व्यापार संघों को प्रतिस्पर्धा कानून के दायरे में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि व्यापार संघों के प्रभाव से कभी-कभी अनपेक्षित नतीजे भी आ सकते हैं और प्रतिस्पर्धा-रोधी गतिविधियों या समझौतों को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा कानून के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए सीसीआई व्यापार संघों के साथ सक्रिय रूप से काम करेगा।

तेलंगाना में माओवादियों ने की दो लोगों की हत्या

मुलुगु (तेलंगाना)/भाषा। तेलंगाना में मुलुगु जिले के एक गांव में माओवादियों ने पुलिस का मुखबिर होने के संदेह में दो लोगों की हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पांच माओवादियों के एक समूह ने पेनुगोलू गांव के सचिव ऊका रमेश पर उनके घर पर चाकुओं से हमला कर दिया, लेकिन जब रमेश की पत्नी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो उन्होंने उसे भी पकड़ लिया। माओवादियों ने रमेश पर हमला जारी रखा तथा बाद में फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि रमेश को एतुरनगरम सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इससे पहले माओवादियों ने एक अन्य ग्रामीण ऊका अर्जुन की उसके घर पर हत्या कर दी थी। घटनास्थल पर एक पत्र छोड़ा गया था, जिसमें रमेश और अर्जुन दोनों को पुलिस मुखबिर बताया गया था।

गोवा में मछली पकड़ने वाली नौका नौसेना की पनडुब्बी से टकराई

नई दिल्ली/भाषा। गोवा तट से लगभग 70 समुद्री मील दूर मछली पकड़ने की एक नौका, भारतीय नौसेना की पनडुब्बी से टकरा गई। नौका पर चालक दल के 13 सदस्य सवार थे। हादसे के बाद चालक दल के दो लापता सदस्यों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना बृहस्पतिवार की है। नौसेना ने बताया कि मछली पकड़ने की नौका ‘मर्थोमा’ में चालक दल के 13 सदस्य थे और इनमें से 11 को तलाश एवं बचाव अभियान के दौरान बचा लिया गया। नौसेना ने बचाव अभियान के लिए छह जहाज और निगरानी विमान तैनात किए हैं। भारतीय नौसेना प्रवक्ता ने कहा, 13 चालक दल के सदस्यों वाली मछली पकड़ने की भारतीय नौका ‘मार्थोमा’ 21 नवंबर को गोवा से 70 समुद्री मील उत्तर-पश्चिम में भारतीय नौसेना की एक पनडुब्बी से टकरा गई।

व्यापार मेला: आरबीआई ‘मैजिक शो’ के जरिए साइबर ठगी के प्रति लोगों को कर रहा है जागरूक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) साइबर ठगी की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर यहां आयोजित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में लोगों को इस समस्या के प्रति ‘मैजिक शो’ के जरिए जागरूक कर रहा है।

भारत मंडपम परिसर में आयोजित 43वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में आरबीआई ‘मैजिक शो’ के अलावा दो पुस्तकों और पर्चों को वितरित कर लोगों को न सिर्फ जागरूक कर रहा है, बल्कि उन्हें इनसे बचने के उपाय भी बता रहा है। भारत मंडपम परिसर में आयोजित व्यापार मेले के हॉल संख्या तीन में स्थित आरबीआई के स्टॉल पर जादूगर के.एस गोगा रोजाना अपनी प्रस्तुतियों के जरिए लोगों को डिजिटल-लेनदेन को लेकर साक्षर कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सूचना के अधिकार (आरटीआई) आवेदन के जवाब में आरबीआई ने हाल ही में बताया था कि वित्त वर्ष 2020 से वित्त वर्ष 2024 के बीच देश भर में साइबर धोखाधड़ी के 5,82,000 मामलों के कारण 3,207 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। गोगा ने ‘ पीटीआई-भाषा’ से कहा कि उन्हें आरबीआई ने जादू प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को वित्तीय और डिजिटल रूप से साक्षर करने का काम सौंपा है। उनके मुताबिक, ये प्रस्तुतियां लोगों को काफी आकर्षित करती हैं, इसलिए यहां लोगों की भीड़ लग जाती है।

उन्होंने कहा कि वह अपने शो के दौरान एक बोतल को गायब करते हैं और फिर वह बोतल मोबाइल फोन बनकर निकलती है जिसके बाद वह लोगों से कहते हैं कि यह मोबाइल नहीं है, बल्कि आपका बटुआ, आपका बैंक है जो आपकी जेब में है।

उन्होंने कहा, हम आजकल काफी लेनदेन मोबाइल फोन के जरिए करते हैं। इसलिए कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए, जैसे कोई धोखाधड़ी संबंधी कॉल आती है, तो फोन करने वाले शख्स से बात न करें और कॉल काट दें, धोखाधड़ी संबंधी संदेश आए तो उसे डिलीट कर दें। ऐसे लोगों की बातों में फंस कर आप बैंक खाते का विवरण देते हैं तो आप ठगी का शिकार हो सकते हैं। गोगा ने कहा कि आरबीआई ने उन्हें यह बताने का निर्देश दिया है कि ठग पैसा भेजने के नाम पर ‘वन टाइम पासवर्ड’ (ओटीपी) पूछते हैं लेकिन पैसा निकाल लेते हैं। वहीं, आरबीआई की एक अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय बैंक साइबर धोखाधड़ी से लोगों को बचाने के लिए अलग-अलग तरह से जागरूक करता रहता है। उनके मुताबिक, आरबीआई व्यापार मेले में अपने स्टॉल पर ‘मैजिक शो’ के आयोजन और दो पुस्तिकाओं तथा पर्चों के वितरण से लोगों को साइबर ठगी को लेकर जागरूक कर रहा है।

एकीकृत विमान रखरखाव इंजीनियरिंग कार्यक्रम शुरू करेगी एयर इंडिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एयर इंडिया एक बुनियादी रखरखाव प्रशिक्षण संगठन (बीएमटीओ) स्थापित करेगी। इसके तहत कंपनी एक एकीकृत विमान रखरखाव इंजीनियरिंग कार्यक्रम पेश करेगी। एयरलाइन ने शुक्रवार को कहा कि यह कार्यक्रम एयर इंडिया की बढ़ती हुई बेड़े रखरखाव जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। यह सुविधा 2026 के मध्य में चालू हो जाएगी।

बीएमटीओ बेंगलूरु में एयर इंडिया के रखरखाव, मरम्मत और ‘ओवरहाल’ (एमआरओ) केंद्र के करीब होगा। यह 2026 की शुरुआत में चालू हो जाएगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने इस कार्यक्रम के लिए बिल्ड-टू-सूट सुविधा विकसित करने हेतु बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) की अनुषंगी कंपनी बेंगलूरु एयरपोर्ट सिटी लि. (बीएसीएल) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। आधिकारिक बयान में कहा गया, बेंगलूरु एयरपोर्ट सिटी में 86,000 वर्ग फुट में फैले परिसर के 2026 के मध्य तक चालू होने की उम्मीद है। कार्यक्रम में दो वर्ष का कक्षा-आधारित शैक्षणिक पाठ्यक्रम शामिल होगा, जिसके बाद एमआरओ में दो वर्ष का व्यावहारिक कार्यस्थल प्रशिक्षण होगा। यह कार्यक्रम एयर इंडिया की बढ़ती हुई बेड़े रखरखाव जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है और इसके एएमई (विमान रखरखाव इंजीनियरिंग) स्नातकों के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है।

प्रख्यात मलयालम लेखक ओमचेरी एन.एन. पिल्लई का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। प्रसिद्ध मलयालम नाटककार और लेखक प्रोफेसर ओमचेरी एन. एन. पिल्लई का शुक्रवार दोपहर दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 100 वर्ष के थे। पिल्लई को उनके कार्यों के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार और केरल साहित्य अकादमी पुरस्कार सहित कई पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। एक पारिवारिक मित्र के अनुसार, पिल्लई काफी समय से बीमार थे और दिल्ली के सेंट स्टीफन अस्पताल में उनका इलाज कराया जा रहा था। उनका जन्म एक फरवरी 1924 को केरल के कोट्टायम में हुआ था और वह दशकों तक दिल्ली में रहे। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पिल्लई के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि वह दक्षिणी राज्य के एक अद्वितीय सांस्कृतिक प्रतीक थे और राष्ट्रीय राजधानी में मलयाली लोगों के राजदूत थे।

सनातन धर्म टिप्पणी

न्यायालय ने तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि की याचिका पर सुनवाई टाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की उस याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी, जिसमें उन्होंने सनातन धर्म को मिटाने संबंधी कथित टिप्पणी को लेकर अपने खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने का अनुरोध किया था। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने मामले में सुनवाई फरवरी, 2025 तक स्थगित कर दी। पीठ ने कहा कि राजनेता को निचली अदालतों के समक्ष प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होने से छूट देने वाला अंतरिम आदेश अगले आदेश तक जारी रहेगा।

स्टालिन की ओर से बहस करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और अन्य वकीलों ने बताया कि कई प्रतिवादियों (शिकायतकर्ताओं) ने याचिका पर अपने जवाब दाखिल नहीं किए हैं। शीर्ष अदालत ने चार मार्च को स्टालिन को उनकी टिप्पणी के लिए फटकार लगाई थी और पूछा था कि उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अपने अधिकार का दुरुपयोग करने के बाद अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को एक साथ जोड़ने की याचिका के साथ अदालत का रुख क्यों किया। तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल मंत्री स्टालिन प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं सत्तारूढ़ द्रमुक मुनेत्र कषगम (डीएमके) प्रमुख एम के स्टालिन के पुत्र हैं। सितंबर 2023 में एक सम्मेलन में स्टालिन ने कथित तौर पर कहा था, सनातन धर्म सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है और इसे खत्म कर दिया जाना चाहिए। सनातन धर्म की तुलना कोरोनावायरस, मलेरिया और डेंगू से करते हुए उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि इसे खत्म कर दिया जाना चाहिए।

उनकी टिप्पणी के बाद महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर और कर्नाटक में उनके खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज की गईं।

केरल सरकार ने मुनंबम वक्फ भूमि मामले में न्यायिक आयोग गठित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में मुनंबम में विवादित भूमि के स्वामित्व की पहचान के लिए एक न्यायिक आयोग गठित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक के बाद कानून मंत्री पी. राजीव ने कहा कि न्यायमूर्ति सी.एन. रामचंद्रन नायर आयोग का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि मुनंबम से किसी को भी बेदखल नहीं किया जाएगा और लोगों के कानूनी अधिकार सुनिश्चित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ बोर्ड को मुनंबम में भूमि अधिग्रहण के लिए अगली कार्यवाही रोकने और निवासियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया है।

मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार लोगों की संपत्तियों पर लगे कर के भुगतान के लिए कदम उठाएगी। एर्नाकुलम जिले के चेराई और मुनंबम गांवों के निवासियों का आरोप है कि वक्फ बोर्ड उनकी भूमि और संपत्तियों पर अवैध रूप से दावा कर रहा है, उनके पास पंजीकृत दस्तावेज और भूमि कर भुगतान की रसीदें हैं। मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे के समाधान के लिए बैठक बुलाई थी।

केरल उच्च न्यायालय ने वायनाड में हड़ताल के लिए एलडीएफ और यूडीएफ की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने दो दिन पहले भूस्खलन प्रभावित वायनाड में दिनभर की हड़ताल के लिए शुक्रवार को सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की आलोचना करते हुए कहा कि यह रवैया गैर-जिम्मेदाराना था। न्यायमूर्ति ए.के. जयशंकरन नांबियार और न्यामूर्ति के.वी. जयकुमार ने 19 नवंबर को वायनाड में हुई हड़ताल पर नाराजगी जताते हुए उसे अस्वीकार्य करार दिया। अदालत ने सवाल किया कि हड़ताल को कैसे जायज ठहराया जा सकता है और सत्तारूढ़ एलडीएफ ने ऐसा क्यों किया।

अदालत ने यह भी पूछा कि क्या हड़ताल विरोध जताने का एकमात्र तरीका है। अदालत ने कहा कि बड़ी त्रासदी से प्रभावित इलाके में हड़ताल करना निराशाजनक था। एलडीएफ और यूडीएफ ने जिले में भूस्खलन पीड़ितों को कई महीने बाद भी केंद्र सरकार की ओर से कथित तौर पर सहायता नहीं मिलने के विरोध में हड़ताल की थी।

सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों गठबंधन चाहते हैं कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार वायनाड में आए भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करके पीड़ितों के राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए जल्द से जल्द आवश्यक सहायता प्रदान करे। वायनाड जिले में तीन गांवों के भूस्खलन से बुरी तरह प्रभावित होने और 200 से अधिक लोगों की मौत मद्देनजर राज्य में प्राकृतिक आपदाओं की रोकथाम और प्रबंधन से संबंधित याचिका पर सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने ये टिप्पणियां कीं।

इस बीच, केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि पुनर्वास और राहत प्रयासों के लिए सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया जारी है। केंद्र सरकार ने कहा कि वह पहले ही आपदा प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन राहत कार्यों के लिए राज्य को राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एनडीआरएफ) से 153 करोड़ रुपये आवंटित कर चुकी है। राज्य सरकार ने आपदा से 2,219 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है।

माकपा नेता मुकेश पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली अभिनेत्री का दावा, सरकार से कोई सुरक्षा नहीं मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) विधायक एम. मुकेश सहित कई अभिनेताओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली 51 वर्षीय मलयालम अभिनेत्री ने शुक्रवार को कहा कि वह केरल सरकार से समर्थन के अभाव और सुरक्षा नहीं मिलने के कारण अपनी शिकायतों को आगे बढ़ाने की इच्छुक नहीं हैं। शिकायतकर्ता ने राज्य सरकार पर भी लापरवाही बरतने का आरोप लगाया और कहा कि वह मानसिक रूप से थक चुकी हैं और इसलिए शिकायत को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक नहीं है।

अभिनेत्री ने कहा, मैं सभी को बताना चाहती हूं कि इस संबंध में सरकार की लापरवाही और इस तरह खुलकर सामने आई एक महिला को सुरक्षा देने में कोताही के कारण मुझे अपनी क्षमता से अधिक कठिनाई झेलनी पड़ी। मैं मानसिक रूप से थक चुकी हूं। वे एक महिला की मदद या सुरक्षा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, इसलिए मैं इन मामलों को आगे नहीं बढ़ाना चाहती। ऐसा इसलिए नहीं है कि मैंने किसी के साथ समझौता कर लिया है। उन्होंने दावा किया कि मनियानपिल्ला राजू और इदावेला बाबू सहित अन्य अभिनेताओं के खिलाफ उनकी शिकायतों के बाद उन्हें (अभिनेत्री को) यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) मामले में आरोपी बनाया गया था और सरकार ने उनकी (अभिनेत्री की) सुरक्षा के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा, मैं निर्दोष हूं। मैं न्याय चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि मेरे खिलाफ दर्ज पॉक्सो के मामले की गहनता और शीघ्रता से जांच हो। अगर मैंने आत्महत्या कर ली तो इसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। मुवत्तुपुझा पुलिस ने अभिनेत्री के खिलाफ उसके रिश्तेदार की शिकायत के आधार पर पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस के अनुसार, घटना 2014 में हुई थी। रिश्तेदार का आरोप है कि घटना के समय वह नाबालिग थी और अभिनेत्री 'सेक्स रैकेट' चला रही थी। अभिनेत्री ने आरोपों का जोरदार खंडन किया था और दावा किया था कि महिला रिश्तेदार पर उनका कुछ पैसा बकाया है और ये आरोप हाई-प्रोफाइल अभिनेताओं के खिलाफ उनकी शिकायत से ध्यान हटाने के लिए लगाए गए थे। अभिनेताओं के खिलाफ अभिनेत्री के आरोप न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट के खुलासे के मद्देनजर सामने आए, जिसमें मलयालम सिनेमा उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न और शोषण के मामलों का खुलासा हुआ, जिससे दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठी। न्यायमूर्ति हेमा समिति का गठन केरल सरकार ने 2017 में अभिनेत्री पर हमला मामले के बाद किया था।

नर्सिंग छात्रा आत्महत्या मामला: केरल में तीन छात्राएं गिरफ्तार

पथनमथिट्टा। केरल के पथनमथिट्टा जिले में पिछले सप्ताह नर्सिंग की एक छात्रा की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को तीन छात्राओं को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, चुट्टीपारा स्थित एसएमई नर्सिंग कॉलेज में बीएससी नर्सिंग की अंतिम वर्ष की छात्रा अम्मू सजीव (22) की सहपाठी रही तीन छात्राओं को गिरफ्तार किया गया है।

घटना 15 नवंबर की रात को पथनमथिट्टा जिले के चुट्टीपारा स्थित एसएमई नर्सिंग कॉलेज में हुई। मूल रूप से तिरुवनंतपुरम की निवासी अम्मू सजीव ने कथित तौर पर छात्रावास भवन की तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आत्महत्या से पहले सजीव ने डायरी में लिखा था, मैंने हार मान ली है। लड़की के पिता सजीव ने पूर्व में कॉलेज प्रधानाचार्य से शिकायत की थी कि बेटी को उसके सहपाठी मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं और उसकी जान को खतरा है। शिकायत में नामित छात्राओं को बृहस्पतिवार को हिरासत में ले लिया गया। इनमें से दो मूल रूप से कोट्टायम की निवासी हैं जबकि एक कोल्लम की रहने वाली है। सूत्रों ने बताया, छात्राओं को गिरफ्तार कर लिया गया है...विस्तृत पूछताछ और जांच के बाद आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगाए गए हैं।

गौतम अदाणी पर कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार करे मोदी सरकार : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करे।

रिश्वतखोरी के एक मामले में अमेरिका में उन पर लगे आरोपों के बाद यह मांग की गयी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार पर अदाणी को बचाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस आगामी संसद सत्र के दौरान इस मुद्दे को उठाएगी और आरोपों की जांच की मांग करेगी। खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम संसद में इस मुद्दे को उठाएंगे और जांच की मांग करेंगे। चूंकि वह (अदाणी) भारत में हैं, इसलिए उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सरकार को सब पता है, इसलिए उसे भ्रष्टाचार के मामलों में उनके खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए।

अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी पर सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को लगभग 2,200 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की एक व्यापक साजिश का कथित रूप से हिस्सा होने का आरोप लगाया है।

भारत के दूसरे सबसे धनी व्यक्ति अदाणी और उनके भतीजे सागर सहित सात अन्य लोगों पर अमेरिकी न्याय विभाग ने महंगी सौर ऊर्जा खरीदने के लिए आंध्र प्रदेश और ओडिशा की राज्य सरकारों के अज्ञात अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगाया है, जिससे 20 वर्षों में दो अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का लाभ कमाया जा सकता है। अदाणी समूह ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए उन्हें निराधार बताया है।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच-छह वर्षों से कांग्रेस इस मुद्दे को बार-बार उठाती रही है।

बेंगलूरु में शुक्रवार को आर. अशोक, शोभा करंदलाजे, अश्वथ नारायण, सी.टी. रवि और अन्य लोग वक्फ बोर्ड के तहत किसानों की जमीन और मंदिर की संपत्तियों पर कथित रूप से अतिक्रमण करने के लिए राज्य सरकार के खिलाफ 'नम्मा भूमि नम्मा हक्कू' विरोध प्रदर्शन किया।

वक्फ संपत्ति विवाद को लेकर कर्नाटक सरकार के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वक्फ संपत्ति विवाद को लेकर शुक्रवार को सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध तेज कर दिया और राज्य के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन किया। पार्टी ने बृहस्पतिवार को कलबुर्गी, बल्लारी, हावेरी, शिवमोगा, उडुपी और अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया और वक्फ बोर्ड पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने बेंगलूरु में शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उनके साथ पार्टी के विधान पार्षद सी.टी. रवि, सांसद पी.सी. मोहन और कई अन्य नेता शामिल हुए। भाजपा ने 'नम्मा भूमि नम्मा हक्कू' (हमारी भूमि, हमारा अधिकार) आंदोलन के तहत विरोध-प्रदर्शन किया।विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग ने आरोप लगाया है कि उनकी जमीनों को वक्फ संपत्तियों के रूप में चिह्नित किया गया है। इसके बाद अन्य जगहों से कुछ संगठनों और मठों जैसी धार्मिक संस्थाओं ने भी इसी तरह के आरोप लगाए हैं। विवाद बढ़ने के बाद मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हाल ही में अधिकारियों को निर्देश दिया था कि किसानों को जारी किए गए सभी नोटिस तुरंत रद्द किए जाएं और बिना उचित सूचना के भूमि रिकॉर्ड में किसी भी अनधिकृत संशोधन को भी रद्द किया जाए।

खरगे को भरोसा, महाराष्ट्र और झारखंड में कांग्रेस, सहयोगी दल सत्ता

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि उनकी पार्टी और उसके गठबंधन सहयोगी महाराष्ट्र और झारखंड में सत्ता में आएंगे। इन दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। उन्होंने इन चुनावों में कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जताया। चुनाव नतीजों से उनकी उम्मीदों के बारे में पूछे गए एक सवाल पर खरगे ने कहा, हमें (जीत की) उम्मीदें हैं, हमने काम किया है, देखते हैं कल क्या होता है, हमें कल पता चल जाएगा। अभी मैं जो कुछ भी कहूंगा, वह अटकलें ही होंगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हमने बेहतर प्रदर्शन किया है। मैंने व्यक्तिगत रूप से हर क्षेत्र में कई बैठकों में हिस्सा लिया, चाहे वह यहां (महाराष्ट्र) हो या झारखंड। हमें उम्मीद है कि हम (सत्ता में) आएंगे। हमें इस बात का पूरा भरोसा है। देखते हैं, क्या होता है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को एक चरण में विधानसभा चुनाव हुए थे, जबकि झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में चुनाव हुए थे। बुधवार को आए कई 'एग्जिट पोल' में महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन को बढ़त मिलने का अनुमान जताया गया है।

कर्नाटक उपचुनाव : नतीजे सत्ताधारी और विपक्षी खेमे के लिए अहम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विधानसभा की तीन सीट पर हुए उपचुनाव की मतगणना शनिवार को होगी। तीन सीट पर चुनाव प्रचार के दौरान सत्तारूढ़ कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-जनता दल सेक्युलर गठबंधन के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। संदूर, शिग्गांव और चन्नपटना विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को हुआ था और नतीजे दोनों ही खेमे के लिए बेहद अहम हैं। जद(सेक्युलर) नेता एचडी कुमारस्वामी के लिए यह उपचुनाव प्रतिष्ठा की लड़ाई होगी क्योंकि उनके बेटे निखिल पिछले चुनाव में हार का सामना करने के बाद एक बार फिर से चन्नपटना सीट पर अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

कुमारस्वामी ने इस वर्ष लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद यह सीट खाली कर दी थी। मतगणना तीन केंद्रों (तीनों खंडों में से एक) पर सुबह आठ बजे शुरू होगी और निर्वाचन अधिकारियों को दोपहर तक नतीजों के बारे में स्पष्ट तस्वीर सामने आने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तीनों विधानसभा क्षेत्रों, खासकर मतगणना केंद्रों के अंदर और आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

संदूर, शिग्गांव और चन्नपटना विधानसभा सीट पर उपचुनाव इस लिए जरूरी हो गया था कि इन सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले क्रमश: कांग्रेस के ई तुकाराम, भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। चन्नपटना विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए सबसे अधिक 31 उम्मीदवार मैदान में थे जबकि शिग्गांव से आठ और संदूर से छह उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में चन्नपटना में 88.81 प्रतिशत, शिग्गांव में 80.72 प्रतिशत और संदूर में 76.24 प्रतिशत मतदान हुआ था। उपचुनाव में संदूर और शिग्गांव सीट पर सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है तो वहीं चन्नपटना में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल जद(सेक्युलर) कड़ी टक्कर दे रहा है। विधानसभा की तीन सीट में से चन्नपटना में सबसे कड़ा मुकाबला माना जा रहा है, जहां टक्कर कांग्रेस के सीपी योगीश्वर और कुमरस्वामी के बेटे व पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते निखिल कुमारस्वामी के बीच है। इस सीट पर कांग्रेस की जीत उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख शिवकुमार व उनके भाई तथा पूर्व सांसद डीके सुरेश के लिए भी उतनी ही महत्वपूर्ण है ताकि इस सीट पर जीत के साथ वह अपने गृह जिले रामनगर में अपनी स्थिति मजबूत कर सकें। शिग्गांव विधानसभा सीट पर बसवराज बोम्मई के बेटे और भाजपा प्रत्याशी भरत बोम्मई का मुकाबला कांग्रेस के यासिर अहमद खान पठान से है। संदूर में कांग्रेस प्रत्याशी ई अन्नपूर्णा का मुकाबला भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष बंगारू हनुमंतु से है। हनुमंतु को पार्टी नेता और पूर्व खनन कारोबारी जी. जनार्दन रेड्डी का करीबी माना जाता है। उपचुनाव में कांग्रेस की जीत मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के लिए भी संजीवनी साबित हो सकती है क्योंकि एमयूडीए भूमि आवंटन मामले में उनके खिलाफ आरोपों के बाद उनके इस्तीफे की मांग की जा रही है। वहीं इस उपचुनाव में भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र का भी बहुत कुछ दांव पर लगा है क्योंकि उपचुनाव जीतना उनके लिए पार्टी के भीतर अपने आलोचकों को चुप कराने के लिए जरूरी है।

केंद्र ने कर्नाटक के ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए अनुदान राशि जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। केंद्र ने कर्नाटक में ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 15वें वित्त आयोग द्वारा आवंटित अनुदान राशि की पहली किस्त जारी कर दी। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, यह धनराशि राज्य की सभी 5,949 पात्र ग्राम पंचायतों के लिए है। बयान में बताया गया, भारत सरकार पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के माध्यम से ग्रामीण स्थानीय निकायों को 15वें वित्त आयोग द्वारा निर्धारित अनुदान राशि जारी करने की सिफारिश करती है, जिसके बाद वित्त मंत्रालय द्वारा किस्त जारी की जाती है। आवंटित अनुदान की सिफारिश किये जाने पर एक वित्तीय वर्ष में दो किस्तें जारी की जाती हैं। बयान के मुताबिक, वेतन और अन्य लागतों को छोड़कर, अनुदान का उपयोग ग्रामीण स्थानीय निकायों द्वारा संविधान की 11वीं अनुसूची में निहित 29 विषयों के तहत स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

राजस्थान एसआई भर्ती पेपर लीक मामला : दस आरोपियों को मिली जमानत, 9 की खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में गिरफ्तार हुए 10 आरोपियों को राजस्थान हाई कोर्ट से जमानत मिल गई है। 19 लोगों ने याचिका लगाई थी, जिसमें 9 की खारिज कर दी गई। इस फैसले ने न केवल इस घोटाले के कानूनी पहलू को फिर से केंद्र में ला दिया, बल्कि राज्य की राजनीति और प्रशासन की पारदर्शिता पर भी कई सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट ने शुक्रवार को जमानत देने के बाद इन आरोपियों के खिलाफ जांच की दिशा और मामले की गंभीरता पर ध्यान केंद्रित किया। यह मामला न केवल भर्ती प्रक्रिया की साख पर सवाल उठाता है, बल्कि राज्य सरकार की कार्रवाई की निष्पक्षता पर भी चिंताएं पैदा करता है।राजस्थान हाई कोर्ट ने अब तक करीब 12 आरोपियों को जमानत दी है, जिनमें कुछ नामी आरोपी जैसे करणपाल, एकता, मनोहर, और सुरेंद्र शामिल हैं। इस फैसले के बाद यह सवाल उठता है कि क्या जमानत का यह फैसला सही प्रक्रिया के तहत लिया गया? कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के बाद अपना निर्णय रिजर्व किया था और अब जमानत दी है, लेकिन क्या यह निर्णय कानूनी रूप से ठोस है या नहीं। यह समय ही बताएगा। इस पूरे मामले को एक नया मोड़ दिया है, जिससे यह धारणा बन रही है कि इस मामले की जांच और निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। साथ ही, यह भी देखा गया है कि जमानत मिलने के बाद आरोपियों पर राजनीतिक आरोप लगाए गए हैं, और इस घोटाले के राजनीतिक रंग को लेकर भी कई बयान सामने आए हैं।

इससे पहले, राजस्थान हाई कोर्ट ने एसआई भर्ती के तहत चयनित अफसरों की आउट परेड पर रोक लगाई थी और साथ ही इन कर्मचारियों की पोस्टिंग भी रद्द कर दी थी।

कोर्ट ने कहा था कि इस भर्ती के तहत नियुक्ति और आउट परेड हाई कोर्ट के आदेशों के अधीन रहेंगे, जब तक कि इस मामले में अंतिम फैसला नहीं आ जाता। इस फैसले ने सरकारी अधिकारियों के खिलाफ उठते सवालों को और भी तेज कर दिया है।

राजस्थान पुलिस मुख्यालय और राज्य सरकार पर अब दबाव बढ़ गया है कि वे इस भर्ती को लेकर ठोस कदम उठाएं। एसओजी की रिपोर्ट और महाधिवक्ता की राय ने इस मामले को और अधिक जटिल बना दिया है। विशेष रूप से, यह रिपोर्ट यह सिफारिश करती है कि इस भर्ती को रद्द किया जाए और 2021 में परीक्षा देने वाले सभी उम्मीदवारों से फिर से परीक्षा ली जाए। यह कदम राज्य सरकार के लिए एक राजनीतिक चुनौती बन सकता है, क्योंकि इससे कई उम्मीदवारों की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है, जिनका चयन इस विवादास्पद प्रक्रिया में हुआ था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के आधार पर, यह देखा गया है कि यदि किसी भर्ती में चयनित उम्मीदवारों की प्रक्रिया में गड़बड़ी पाई जाती है, तो वह भर्ती रद्द की जा सकती है। ऐसे मामलों में, जहां चयनित उम्मीदवारों के बीच किसी तरह का भेदभाव किया गया हो या अगर चयन प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा हुआ हो, तो सरकार को उक्त भर्ती को रद्द करना ही होता है। इस मामले में, कई उम्मीदवारों ने आरोप लगाया है कि वे वास्तविक योग्य थे लेकिन पेपर लीक की वजह से उनका चयन नहीं हो सका, जो इस भर्ती को और भी विवादित बनाता है।

राजस्थान के एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में जमानत का फैसला कई दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। यह कानूनी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है, साथ ही राजनीति की भूमिका को भी उजागर करता है। इस मामले के आगामी फैसले राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था की साख को प्रभावित करेंगे। हैं।

आईएचआईटीसी में ज्यादा से ज्यादा कृषकों को दिया जाए प्रशिक्षण : राजन विशाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शुक्रवार को दुर्गापुरा स्थित इन्टरनेशनल हॉर्टिकल्चर इनोवेशन एण्ड ट्रेनिंग सेन्टर (आईएचआईटीसी) का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को इस ट्रेनिंग सेन्टर में ज्यादा से ज्यादा कृषकों को उन्नत तकनीकी का कृषि प्रशिक्षण देने के लिए कहा। राजन विशाल ने कृषकों के प्रशिक्षण के दौरान प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किये जाने के लिए संस्थान के फल वृक्ष क्षेत्र, संरक्षित खेती, सब्जी उत्पादन, नर्सरी, ड्रिप इरिगेशन आदि गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने आईएचआईटीसी के कैम्पस, छात्रावास, प्रयोगशाला आदि सभी जगहों का बारीकी से निरीक्षण किया और संस्थान की साफ–सफाई एवं मेन्टिनेन्स के आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किये।

शासन सचिव ने प्रशिक्षण में कृषकों की संख्या को बढ़ाने व पूरा ट्रेनिंग प्लान तैयार रखने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही संस्थान में हाइड्रोपॉनिक्स की स्थापना के लिए भी कहा। हाइड्रोपॉनिक प्रणाली मिट्टी के बजाय पानी आधारित पोषक घोल का उपयोग करके पौधे उगाने की तकनीक है। हाइड्रोपॉनिक उत्पादन प्रणाली का प्रयोग छोटे किसानों और वाणिज्यिक उद्यमों द्वारा किया जाता है।

इसके बाद शासन सचिव ने कर्ण नरेन्द्र विश्वविद्यालय के संगठन संस्थान राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में स्थित समन्वित कृषि प्रणाली क्षेत्र का दौरा किया। यह समन्वित कृषि प्रणाली डेढ हैक्टेयर कृषि जोत हेतु राजस्थान के सिंचित क्षेत्र के किसानों की पोषण उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई है। इस समन्वित कृषि प्रणाली क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की फसल पद्धतियां, उद्यानिकी फल एवं सब्जियां, डेयरी यूनिट, बकरी यूनिट, पोल्ट्री यूनिट, अजोला यूनिट, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट और गोबर खाद यूनिट है। समन्वित कृषि प्रणाली के मुख्य शष्य वैज्ञानिक डॉ0 उम्मेद सिंह ने किसानों के लिए सालभर आय का अच्छा स्त्रोत होने एवं किसान के परिवार के लिए पोषण युक्त भोजन जैसे फल, सब्जी, अनाज, दाल, मोटे अनाज, तिलहन, पशुओं के लिए चारा एवं इससे जनित अपशिष्ट के सदुपयोग हेतु वर्मी कम्पोस्ट, गोबर की खाद इत्यादि के रूप में प्रयोग करने से मृदा के स्वास्थ्य में सुधार एवं बाहरी उर्वरकों पर निर्भरता कम करने की जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति बलराज सिंह ने कृषि विश्वविद्यालय एवं दुर्गापुरा में संचालित विभिन्न कृषि अनुसंधान योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त निदेशक कृषि (रसायन), एच.एस. मीना, संयुक्त निदेशक कृषि (रसायन) अजय कुमार पचौरी, संयुक्त निदेशक उद्यान महेन्द्र कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि (गुण नियंत्रण) गजानंद यादव, उप निदेशक उद्यान (आईएचआईटीसी) राजेश कुमार गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मतगणना के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई

जयपुर। राजस्थान में सात विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए हुए मतदान के मतों की गिनती शनिवार को होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके लिए सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं और त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। राज्य की झुंझुनू, रामगढ़, दौसा, देवली–उनियारा, खींवसर, सलूंबर और चौरासी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान हुआ था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि सात जिला मुख्यालयों पर सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी जिसके संबंध में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि पर्याप्त संख्या में मतगणना कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया है।

महाजन ने बताया कि सबसे पहले डाकमत पत्रों की गणना शुरू होगी। उन्होंने कहा कि सेवा नियोजित मतदाताओं द्वारा तथा घर पर ही वोट देने की सुविधा के तहत डाले गए मतों की गिनती के लिए क्रमश: 39 और 28 टेबल स्थापित की गई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से मतों की गणना सुबह साढ़े बजे से शुरू की जाएगी जिसके लिए 98 टेबल लगाई गई हैं।

उन्होंने बताया कि सभी सात विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल 141 दौर में ईवीएम से मतों की गणना होगी। मतदाताओं की संख्या के आधार पर 18 से 22 दौर में मतों की गिनती होगी। झुंझुनू और सलूंबर विधानसभा क्षेत्रों के ईवीएम मतों की गिनती 22–22 दौर में, रामगढ़ की 21 दौर में, देवली–उनियारा और खींवसर विधानसभा क्षेत्रों की गिनती 20–20 दौर में, दौसा तथा चौरासी की गिनती 18–18 दौर में पूरी होगी। महाजन ने बताया कि सभी मतगणना स्थलों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है और जिला निर्वाचन अधिकारियों तथा पुलिस अधीक्षकों को मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा मापदंडों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

‘चिकित्सा संस्थान कुशल वित्तीय प्रबंधन से दें कार्यों को गति’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजकीय कार्यों का कुशलतापूर्वक सम्पादन करने के उद्देश्य से चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेश के सभी राजकीय मेडिकल कॉलेजों एवं संबद्ध अस्पतालों के प्रधानाचार्यों एवं अधीक्षकों के लिए एक दिवसीय वित्तीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इससे चिकित्सा संस्थानों में कुशल वित्तीय प्रबंधन हो सकेगा और बजट के उपयोग एवं अन्य वित्तीय प्रक्रियाओं को गति मिल सकेगी।

कार्यशाला में चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासन सचिव श्री अम्बरीष कुमार ने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों एवं उससे संबद्ध अस्पतालों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को सुगम एवं सुलभ बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दिशा में जरूरी है सरकार की ओर से समयसमय पर की गई घोषणाएं एवं योजनाओं को क्रियान्वयन शीघ्रता के साथ एवं पूरी कुशलता के साथ हो। उन्होंने कहा कि कई बार यह देखा जाता है कि चिकित्सा संस्थानों में अधिकारियो एवं कार्मिकों को वित्तीय प्रक्रियाओं की समुचित जानकारी नहीं होने के अभाव में कार्यालय, मेंटीनेंस, रखरखाव एवं विभिन्न उपकरणों या अन्य खरीद के लिए धनराशि की मांग करने सहित अन्य कार्यों में विलंब होता है या वित्तीय अनुशासन की पालना नहीं हो पाती है। कई जरूरी कार्यों के लिए धन का अभाव सामने आता है। इन समस्याओं के समाधान के लिए ओपीडी और आईपीडी आधारित बजट मांग का फार्मूला तैयार किया गया है।

शासन सचिव ने कहा कि वित्तीय अनुशासन की पालना करते हुए चिकित्सा उपकरणों की खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता रखी जाए और उपकरणों को चिकित्सकों की सलाह के आधार पर ही खरीदा जाएगा। उन्होंने बजट की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए फॉर्मेट तैयार करने और इसे लागू करने के निर्देश दिए। शासन सचिव ने सुझाव दिया कि सभी मेडिकल कॉलेज अपनी प्रगति को साझा करने के लिए मासिक न्यूज़लेटर प्रकाशित करें। इसमें मरीजों को दी गई चिकित्सा सेवाओं, ऑपरेशंस, नवाचारों और आगामी योजनाओं का उल्लेख किया जा सकता है।

कार्यक्रम में एसएमएस कॉलेज की वित्तीय सलाहकार ज्योति भारद्वाज ने बीएफसी प्रक्रिया पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण और प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि चिकित्सा संस्थान किस तरह बजट की मांग करें। कार्यशाला में राज्यभर के मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों ने उनके द्वारा किए जा रहे नवाचारों पर प्रस्तुतीकरण दिया। बीकानेर के पीबीएम अस्पताल की ओर से इकोलॉजिक ज़ोन विकसित करने की जानकारी दी गई, जहां अब तक 2000 से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं। इसी प्रकार उदयपुर मेडिकल कॉलेज ने क्यूआर कोड आधारित सफाई व्यवस्था के बारे में जानकारी दी।

अजमेर मेडिकल कॉलेज ने एक रूपए में स्वाभिमान भोज किचन शुरू करने की पहल साझा की, जिसमें मरीज और उनके परिजनों को मात्र एक रूपए में भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

कार्यशाला में डॉ. नवीन अजमेरा ने सूचना के अधिकार अधिनियम पर प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि यह अधिनियम सरकारी संगठनों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह सार्वजनिक प्राधिकरणों में जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू किया गया था। उन्होंने अपीलीय प्राधिकरण और राज्य सूचना आयोग में अपील करने के प्रावधानों की जानकारी दी। सत्र के दौरान उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्णयों और सरकार द्वारा इस विषय पर जारी परिपत्र/दिशा–निर्देशों को भी साझा किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस दौरान शर्मा ने देवनानी को ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 67वें राष्ट्रमण्डलीय संसदीय संघ के सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने सहित चार देशों की सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष को दुपट्टा ओढ़ाकर बधाई दी। देवनानी ने मुख्यमंत्री को ‘भारत विभाजन का दंश’ पुस्तक भेंट की।

मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों ने ‘द साबरमती रिपोर्ट’ फिल्म देखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने बृहस्पतिवार को यहां ’द साबरमती रिपोर्ट’ फिल्म देखी। शर्मा यहां एक सिनेमा हॉल में गोधरा कांड पर बनी यह फिल्म देखने पहुंचे। इस अवसर पर शर्मा ने कहा,आज जिस फिल्म को हम देख रहे हैं ... उस समय यह ऐसा दृश्य था कि ’उसको लेकर’ झूठ परोसा गया था। यह सत्य बात आपके सामने आएगी और फिल्म देखने के बाद आपकी समझ में आएगा। इसलिए आज हम सभी अपने साथियों के साथ इस फिल्म को देखने के लिए आए हैं। उनके साथ फिल्म देखने वालों में उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद मंत्री, मंत्री झाबर सिंह खर्रा, हेमंत मीणा एवं हीरालाल नागर, अनेक विधायक एवं अधिकारी शामिल थे।

राजस्थान सरकार ने बुधवार को ही फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को कर–मुक्त करने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने ’एक्स’ पर लिखा था, हमारी सरकार ने द साबरमती रिपोर्ट फिल्म को राजस्थान में कर–मुक्त (टैक्स फ्री) करने का सार्थक निर्णय लिया है। शर्मा ने कहा था,यह फिल्म इतिहास के उस भयावह काल–खंड को यथार्थ रूप में दर्शाती है, जिसे कुछ स्वार्थी तत्वों ने अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए विकृत करने का कुत्सित प्रयास किया।

सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में बृहस्पतिवार देर रात एक सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सुखेर के थानाधिकारी हिमांशु सिंह राजावत ने बताया कि यह हादसा कल आधी रात के बाद अंबेरी में हुआ।

उन्होंने बताया कि यह हादसा कार और एक डंपर की आमने सामने की टक्कर के कारण हुआ। कार गलत दिशा में जा रही थी और वह सामने से आ रहे डंपर से टकरा गई। टक्कर में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया और उसमें सवार पांच युवकों की मौत हो गई।

अंतिम संस्कार से ठीक पहले युवक की सांसें लौटीं, तीन चिकित्सक निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनू जिले में चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित किए गए 25 वर्षीय युवक की सांसें अंतिम संस्कार से ठीक पहले फिर से चलने लगीं। प्रशासन ने युवक को मृत घोषित करने वाले तीन चिकित्सकों को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि 25 वर्षीय युवक रोहिताश कुमार मूक–बधिर है और एक आश्रय गृह में रहता था और वह बीमार था जिसके कारण उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में उसका इलाज किया जा रहा था और बाद में उसे जयपुर रेफर कर दिया गया लेकिन रास्ते में ही युवक की मौत हो गई।

झुंझुनू के जिलाधिकारी रामावतार मीणा ने कथित चिकित्सकीय लापरवाही का संज्ञान लेते हुए बृहस्पतिवार रात को डॉ. योगेश जाखड़, डॉ. नवनीत मील और पीएमओ डॉ. संदीप पचार को निलंबित कर दिया। मीणा ने बताया कि मामले की जांच के लिए एक कमेटी गठित की गई है तथा चिकित्सा विभाग के सचिव को भी इसकी जानकारी दे दी गई है।पुलिस के अनुसार बृहस्पतिवार को आश्रय गृह में बेहोश होने के बाद कुमार को झुंझुनू के बीडीके अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि जब उपचार से उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ तो अस्पताल के चिकित्सकों ने दोपहर दो बजे उसे मृत घोषित कर दिया और शव को दो घंटे तक शवगृह में रखवाया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को श्मशान घाट पहुंचाया। हालांकि, जैसे ही शव को चिता पर रखा गया कुमार की सांसें अचानक चलने लगीं। उन्होंने बताया कि तत्काल एंबुलेंस बुलाकर उसे वापस अस्पताल ले जाया गया। इस बीच राजस्व अधिकारी महेंद्र मूंड, सामाजिक न्याय विभाग के उपनिदेशक पवन पूनिया भी अस्पताल पहुंचे।

अडानी मामले की जेपीसी से कराई जाए जांच : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अमरीका की एक अदालत में उद्योगपति गौतम अडानी के खिलाफ दर्ज मामले में केन्द्र सरकार से संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से आरोपी की जांच की मांग करते हुए कहा है कि सरकार को इस मामले में अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। कांग्रेस के इन दोनों नेताओं ने शुक्रवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में यह मांग की। जूली ने कहा कि केन्द्र सरकार को इस पूरे मामले की जांच जेपीसी से कराई जानी चाहिए क्योंकि इस मामले से अडानी के शेयरों में भी 23 प्रतिशत की गिरावट आई हैं जिसका लोगों पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि रिश्वत के इस मामले की जांच कराकर दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए और सरकार को अपना पक्ष भी स्पष्ट करना चाहिए।

डोटासरा ने कहा कि अमरीका में प्रतिभूति विनिमय आयोग (एसईसी) का आरोप है कि गौतम अडानी और उनके सात सहयोगियों ने भारत में उच्च–मूल्य वाले सौर ऊर्जा अनुबंधों को हासिल करने के लिए दो हजार करोड़ रुपए की रिश्वतखोरी की योजना बनाई। अमेरिकी अभियोग में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2020 और 2024 के बीच अडानी और उनके सह–प्रतिवादियों ने 16 हजार करोड़ रुपए से अधिक लाभ अर्जित करने वाले अनुबंधों को हासिल करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत की पेशकश की। ये अनुबंध आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, ओडिशा और तमिलनाडु राज्यों से संबंधित थे।

उन्होंने कहा कि यह घटनाक्रम कांग्रेस पार्टी के हम अडानी के हैं कौन अभियान को सही साबित करता है, जिसमें प्रधानमंत्री के अडानी के साथ करीबी संबंधों के बारे में 100 सवाल उठाए गए थे।

बीएलएमसी जीरो लॉस तकनीक का करें उपयोग, माइनिंग सुरक्षा मानकों की करें पालना : रविकांत

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने शुक्रवार को बाड़मेर जिले में वेदान्ता केयर्न के मंगला प्रोसेसिंग टर्मिनल और राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम बाडमेर लिग्नाइट माइनिंग कंपनी के जलिपा माइनिंग क्षेत्र का दौरा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। माइंस सचिव टी. रविकान्त ने मंगला क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए कहा कि वेदान्ता केयर्न को तेल का उत्पादन बढ़ाने के लिए नवीनतम तकनीक एएसपी का उपयोग करते हुए अधिक से अधिक उत्पादन पर जोर देना होगा। उन्होंने कहा कि देश दुनिया में कच्चे तेल के दोहन की आ रही नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए तेल का उत्पादन बढ़ाना होगा।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त शुक्रवार को अतरिक्त निदेशक पेट्रोलियम अजय शर्मा व वेदान्ता केयर्न के अधिकारियों के साथ मंगला प्रोसेसिंग टर्मिनल की विभिन्न इकाइयों का दौरा किया। इसके साथ ही उन्होंने मंगला क्षेत्र में तेल के दोहन वाले कुएं का भी अवलोकन करने के साथ ही उत्पादन से प्रोसेसिंग तक की संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की।

उप्र : विधानसभा उपचुनाव की मतगणना आज, राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शनिवार को सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी।

उपचुनाव के नतीजों का 403 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधानसभा में सरकार पर सीधा असर नहीं पड़ेगा, लेकिन इसे हालिया लोकसभा चुनावों के बाद प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के बीच पहली बड़ी टक्कर के रूप में देखा जा रहा है। राज्य की मीरापुर (मुजफ्फरनगर), कुन्दरकी (मुरादाबाद), गाजियाबाद, खैर (अलीगढ), करहल (मैनपुरी), सीसामऊ (कानपुर नगर), फूलपुर (प्रयागराज), कटेहरी (अंबेडकरनगर) एवं मझवां (मिर्जापुर) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान संपन्न हुआ।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार इन सभी नौ सीटों पर शनिवार सुबह आठ बजे से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना शुरू होगी। उपचुनाव के नौ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 90 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 11 महिला प्रत्याशी हैं। शनिवार को मतगणना के बाद 90 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होगा। सबसे ज्यादा उम्मीदवार (14) गाजियाबाद से और सबसे कम (पांच-पांच) खैर और सीसामऊ से चुनाव लड़ रहे हैं। इस बीच अपनी-अपनी जीत के दावे करते हुए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दल एक-

दूसरे पर चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगा रहे हैं। मतगणना की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर चुनावी प्रक्रिया में हेराफेरी करने का आरोप लगाते हुए कहा, इंडिया गठबंधन-समाजवादी पार्टी की सजगता व सक्रियता से जिस तरह हमारे मतदाताओं, समर्थकों, कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, नेताओं, उम्मीदवारों, समस्त पीडीए समाज व कुछ ईमानदार मीडियाकर्मियों ने भाजपा सरकार की चुनावी धांधली का डटकर सामना किया है, उसकी प्रशंसा हर ओर हो रही है। ये सक्रियता आगे भी जारी रहेगी और अपनी सरकार बनाएगी। समाजवादी पार्टी (सपा) मुख्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी एक बयान में यादव ने कहा, भाजपा का समर्थन करने वालों की संख्या दिन-पर-दिन गिरती जा रही है। जनता भाजपा को चुनना नहीं चाहती है, इसीलिए भाजपा भ्रष्ट शासन-प्रशासन-प्रचार तंत्र का दुरुपयोग करके सरकार में बने रहना चाहती है।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उपचुनाव में सभी नौ सीट पर जीत का दावा कर रहे अखिलेश यादव और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में उनके सहयोगी कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए 'एक्स' पर बृहस्पतिवार को कहा था, 2027 और 2029 के सत्ताधीश बनने का सपना देखने वाले दो अहंकारी नेताओं को जनता आईना दिखाएगी। उनका अहंकार और नकारात्मक राजनीति को देश कभी सफल नहीं होने देगा। मौर्य ने कहा, देश को आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति नहीं, विकास चाहिए।

अनियोजित विकास के कारण जलवायु परिवर्तन की चुनौती खड़ी हुई : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती है और अनियोजित तथा अवैज्ञानिक विकास के कारण ऐसा हुआ है।

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 701 वन दरोगाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करने के लिए यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पर्यावरण (बढ़ता प्रदूषण) आज जीव सृष्टि के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। योगी ने कहा, दुनिया चिंतित है, देश का हर वो व्यक्ति चिंतित है जो पर्यावरण और जीव सृष्टि तथा उसके उज्ज्वल भविष्य के बारे में थोड़ा बहुत भी सकारात्मक भाव रखता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए एक चुनौती है, लेकिन यह कहीं और से नहीं आया है। अनियोजित और अवैज्ञानिक विकास के पथ पर बढ़ने का परिणाम है कि मनुष्य इसे समस्या के रूप में झेल रहा है। उन्होंने इसे समझाते हुए कहा, कहीं अतिवृष्टि है तो कहीं 'हीट वेव' चल रही है। कहीं बाढ़ से जीवन तबाह है तो कहीं एक बूंद पानी के लिए लोग तरस रहे हैं। चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए योगी ने कहा, जीव-जंतु की इस सृष्टि के वास्ते कुछ कर गुजरने के लिए आपको एक अवसर मिल रहा है।

इसके पहले उन्होंने कहा, मुझे प्रसन्नता है कि आज उत्तर प्रदेश वन विभाग को 701 नए वन दरोगा मिल रहे हैं। इससे पहले सितंबर में 647 वन रक्षक, विभाग को मिले थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन विभाग में विभिन्न स्तर पर जो खाई थी, इतनी बड़ी संख्या में नियुक्ति से उसे पाटने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, मेरे लिए और भी अधिक प्रसन्नता का क्षण यह है कि वन एवं पर्यावरण जैसे विभाग में नवनियुक्त 701 वन दरोगा में 140 महिलाएं हैं।

योगी ने कहा, यह दिखाता है कि हम लोगों ने 20 फीसदी महिलाओं की भर्ती का जो एक लक्ष्य तय किया था, उसमें हमें सफलता प्राप्त हो रही है।

एमवीए एकजुट है, महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद पर फैसला एक दिन में कर लेंगे : पायलट

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी (एमवीए) की जीत को लेकर वह आश्वस्त हैं और बहुमत मिलने के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर फैसला करने में गठबंधन के घटक दलों को देर नहीं लगेगी। उन्होंने यह भी कहा कि ''किसे कौन सा पद दिया जाए, इसके फैसले में भी एक दिन से ज्यादा समय नहीं लगेगा।

पायलट को पार्टी ने मराठवाड़ा क्षेत्र का प्रभार दिया था और उन्होंने महाराष्ट्र, झारखंड तथा उपचुनाव वाले निर्वाचन क्षेत्रों में व्यापक प्रचार किया था। कांग्रेस के नेता ने चुनाव बाद सर्वेक्षण (एग्जिट पोल) के उन संकेतों को खारिज कर दिया कि दोनों राज्यों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को बहुमत मिलेगा। नतीजों से एक दिन पहले 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में पायलट ने कहा कि महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के साथ-साथ विभिन्न राज्यों में हुए उपचुनावों के नतीजे भाजपा और राजग को 'हकीकत से रूबरू' कराएंगे। हरियाणा में हार के बाद हाल के विधानसभा चुनावों में पार्टी की संभावनाओं के बारे में कांग्रेस महासचिव ने कहा कि हरियाणा एक झटका था और बहुत ही आश्चर्यजनक था, लेकिन महाराष्ट्र और झारखंड की एक ''अलग कहानी'' है। उन्होंने कहा, मतदाताओं में महाराष्ट्र में बदलाव की स्पष्ट इच्छा है क्योंकि जो 'डबल इंजन' की सरकार चल रही थी, वह मतदाताओं की किसी भी उम्मीद पर खरी नहीं उतर रही थी। पायलट ने कहा, हमने जिस तरह का अभियान चलाया, जिस तरह की गारंटी का वादा किया, हमारे गठबंधन सहयोगी, उम्मीदवारों का चयन, हमारे बयान सकारात्मक रहे और उसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इसलिए मुझे लगता है कि हम महाराष्ट्र में सरकार बदलते देखेंगे।

मणिपुर के मंत्रियों, विधायकों की संपत्ति की लूट में शामिल संदिग्धों की पहचान हुई : एन. बीरेन सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि 16 नवंबर को विरोध प्रदर्शन के दौरान मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति लूटने में शामिल संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और इस संबंध में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने एक मंत्री के दिवंगत पिता की तस्वीर को उनके घर में जलाने, एक विधायक के आवास में लूटपाट करने और एक कार शोरूम में गोलीबारी करने जैसी घटनाओं की निंदा की और आश्चर्य जताया कि क्या इस तरह के कृत्य किसी आंदोलन का हिस्सा हो सकते हैं।

सिंह ने संवाददाताओं से कहा, लोकतांत्रिक आंदोलन के नाम पर कुछ गिरोहों ने मंत्रियों और विधायकों के घरों में लूटपाट और आगजनी की। सीसीटीवी के माध्यम से संदिग्धों की पहचान की गई है और उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। मुझे सार्वजनिक रूप से यह कहते हुए शर्म आती है कि मणिपुर में ऐसी चीजें हो रही हैं। लोगों से ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, सिर्फ सरकार को दोष नहीं दें। हमें भी खुद को सही करने की जरूरत है।

'कांग्रेस की विफलता का असर मणिपुर में आज भी महसूस किया जा रहा है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मणिपुर के मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से हस्तक्षेप का अनुरोध करने और केंद्र पर इस संकट को दूर करने में नाकाम रहने का आरोप लगाने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर शुक्रवार को पलटवार किया। उन्होंने कांग्रेस पर मणिपुर में अशांति के मुद्दे को लेकर ''गलत, झूठा एवं राजनीति से प्रेरित'' विमर्श पैदा करने का आरोप लगाया।

नड्डा ने खरगे के आरोपों का जवाब देते हुए दावा किया कि मणिपुर में सत्ता में रहने के दौरान स्थानीय मुद्दों से निपटने में कांग्रेस के ''पूरी तरह विफल रहने'' के दुष्परिणाम आज भी महसूस किए जा रहे हैं। उन्होंने खरगे से कहा कि सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि कांग्रेस मणिपुर की स्थिति को सनसनीखेज बनाने का बार-बार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार हिंसा की पहली घटना के बाद से ही राज्य में स्थिरता एवं शांति लाने के लिए कार्यरत है। नड्डा ने कहा कि खरगे संभवत: यह भूल गए हैं कि उनकी सरकार ने भारत में विदेशी उग्रवादियों के अवैध प्रवास को न केवल वैध बनाया था बल्कि तत्कालीन गृह मंत्री पी चिदंबरम ने उनके साथ संधियों पर भी हस्ताक्षर किए थे।

नड्डा ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने देश से भागने वाले इन ज्ञात उग्रवादी नेताओं को अस्थिरता पैदा करने के उनके प्रयासों को जारी रखने के लिए पूरे दिल से समर्थन और प्रोत्साहन दिया गया। उन्होंने कहा, आपकी सरकार के कार्यकाल के दौरान भारत की सुरक्षा और प्रशासनिक प्रोटोकॉल की यह पूर्ण विफलता इस बात का प्रमुख कारण है कि उग्रवादी एवं आदतन हिंसक संगठन मणिपुर में कड़ी मेहनत से हासिल हुई शांति को नष्ट करने और इसे अराजकता के युग में कई दशक पीछे धकेलने का प्रयास कर रहे हैं।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के विपरीत, भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देगी।

राहुल गांधी सही हैं, अदाणी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए : लालू

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने भ्रष्टाचार के आरोपी उद्योगपति गौतम अदाणी की तत्काल गिरफ्तारी की कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मांग का पुरजोर समर्थन किया है।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने अमेरिका में अदाणी समूह के खिलाफ रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोपों की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को यहां संवाददाताओं के सवालों के जवाब में यह बात कही। कांग्रेस के पुराने सहयोगी और भाजपा के कट्टर विरोधी प्रसाद ने कहा, राहुल गांधी सही हैं। अदाणी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। संवाददाताओं ने उनसे झारखंड में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की संभावनाओं के बारे में भी पूछा। उन्होंने संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा, मैं अपने उस बयान पर ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा कि अदाणी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। मैं झारखंड में नई सरकार के बारे में ज्यादा चिंतित नहीं हूं, जहां हम पहले से ही सत्ता में हैं।

अदाणी रिश्वत मामले में शामिल लोग कांग्रेस से जुड़े हैं: पुरंदेश्वरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आंध्र प्रदेश ईकाई की अध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका द्वारा अदाणी समूह पर लगाए गए आरोप गंभीर सवाल खड़ा करते हैं और दावा किया कि इन आरोपों में शामिल सभी लोग कांग्रेस पार्टी से जुड़े हैं।

अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली अनुबंध हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ डॉलर (लगभग 2,200 करोड़ रुपए) की रिश्वत देने में कथित तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया है। अदाणी समूह ने बृहस्पतिवार को सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तें हासिल करने के लिए रिश्वत देने के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं और समूह सभी कानूनों का अनुपालन करता है। समूह ने कहा कि सभी संभव कानूनी उपाय तलाशे जाएंगे। पुरंदेश्वरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अदाणी समूह के खिलाफ अमेरिकी एसईसी (प्रतिभूति और विनिमय आयोग) द्वारा हाल ही में लगाए गए आरोपों ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं... यह स्थिति राहुल गांधी के लिए एक महत्वपूर्ण सवाल है क्योंकि भ्रष्टाचार के इन आरोपों में शामिल सभी व्यक्ति कांग्रेस पार्टी से जुड़े हैं, कोई भी भाजपा से नहीं है।

तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार, आंध्र प्रदेश में पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार, छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार और ओडिशा में पूर्ववर्ती बीजू जनता दल (बीजद) सरकार का जिक्र करते हुए पुरंदेश्वरी ने दावा किया कि ये सरकारें ''कांग्रेस के करीब'' थीं।

झारखंडः मतगणना के बाद के समीकरण साधने की तैयारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा चुनाव के बाद शनिवार को होने वाली मतगणना के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और राजनीतिक नेताओं और पार्टियों को उत्सुकता से परिणामों का इंतजार है। कल आने वाले नतीजे यह तय करेंगे कि झारखंड में अगली सरकार भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बनाएगा या झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन एक बार फिर सत्ता पर काबिज होगा। डाक मतपत्रों की गिनती आठ बजे शुरू होगी तथा रुझान सुबह नौ बजे तक आने शुरू हो जाएंगे। इस बार मतदान रिकॉर्ड 67.74% तक पहुंच गया, जो 15 नवंबर 2000 को राज्य के गठन के बाद से सबसे अधिक है।

निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, 23 नवंबर को होने वाली मतगणना के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। सभी मतगणना केंद्रों पर मतगणना के व्यापक प्रबंध किए गए हैं और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग से पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। डाक मतपत्रों की निष्पक्ष गणना सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक टेबल का नेतृत्व एक एआरओ करेंगे। अधिकारी ने कहा, पूरी प्रक्रिया मीडिया और उम्मीदवारों या उनके एजेंटों की पूरी निगरानी में पारदर्शी तरीके से होगी, जिन्हें प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने कहा कि मतगणना प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 'स्ट्रांग रूम' को पर्याप्त सुरक्षा और वीडियो निगरानी से सुदृढ़ किया गया है। अधिकारी ने बताया, डाक मतपत्रों की गिनती सुबह आठ बजे शुरू होगी और रुझान सुबह नौ से सवा नौ बजे तक आने शुरू हो जाएंगे।

प्रदेश में चुनाव दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को हुए। कुल 81 सीटों में से 43 निर्वाचन क्षेत्रों में पहले चरण में मतदान हुआ, जबकि दूसरे चरण में 38 सीटों पर मतदान हुआ। राज्य में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा नीत 'इंडिया' और भाजपा नीत राजग के बीच कड़ा चुनावी मुकाबला देखने को मिला, जिसमें झामुमो फिर सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहा है, जबकि भाजपा सत्ताधारी गठबंधन से सत्ता छीनने के लिए प्रयासरत है। कुछ एग्जिट पोल का अनुमान है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राजग सत्तारूढ़ झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को सत्ता से बाहर कर देगा, जबकि अन्य का अनुमान है कि झारखंड में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की वापसी होगी। सभी की निगाहें उन प्रमुख सीटों पर होंगी जो प्रमुख राजनेताओं के चुनावी भाग्य का फैसला करेंगी।

'राष्ट्रीय खेल विधेयक में अंतरराष्ट्रीय नियामक के मुताबिक बदलाव का प्रावधान होगा'

नई दिल्ली/भाषा। सरकार राष्ट्रीय खेल विधेयक के मसौदे को संसद में पेश करने की जल्दबाजी में नहीं है और इसे हर तरह की शिकायतों और खामियों को दूर करने के बाद ही सदन के पटल पर रखेगी।

खेल विधेयक के मसौदे में 'खेल नियामक बोर्ड' की स्थापना का जिक्र है जिस पर भारतीय ओलंपिक समिति (आईओए) की प्रमुख पीटी उषा सवाल उठा चुकी है। ' खेल नियामक बोर्ड' के पास आईओए और राष्ट्रीय खेल महासंघों को संबद्धता प्रदान करने, नवीनीकृत करने और निलंबित करने का अधिकार होगा। उषा ने इसकी अत्यधिक शक्तियों पर सवाल उठाते हुए आगाह किया है कि इससे आईओए और राष्ट्रीय महासंघों की स्वायत्तता को कमजोर करेगा और इससे देश पर अंतरराष्ट्रीय निलंबन का खतरा होगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया से शुक्रवार को इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उषा का तर्क वाजिब है और हम इस मसौदे को हर तरह की शिकायतों से दूर करने पर काम कर रहे है। मांडविया ने आश्वासन दिया कि खेल विधेयक काफी व्यापक होगा और इसमें आईओसी और अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों के निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त लचीलापन होगा। उन्होंने कहा, हम किसी तरह की जल्दबाजी में नहीं है। इस मसौदा विधेयक से हर तरह की शिकायतों को दूर करने के बाद संसद में पेश किया जाएगा।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज में कनिष्ठ छात्रों की कथित 'रैगिंग' के मामले में सात वरिष्ठ छात्र निलंबित

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। गोरखपुर के बाबा राघव दास (बीआरडी) मेडिकल कॉलेज में जूनियर छात्रों के छात्रावास में बिना अनुमति के घुसने और 'रैगिंग' करने के आरोप में सात वरिष्ठ छात्रों को निलंबित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

हालांकि 'रैगिंग' का कोई प्रत्यक्ष सबूत नहीं मिला लेकिन कॉलेज प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छात्रावास के नियमों का उल्लंघन करने के लिए वरिष्ठ छात्रों को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया है। कॉलेज के 'एंटी-रैगिंग' प्रकोष्ठ को एक गुमनाम ईमेल प्राप्त होने के बाद जांच का आदेश दिया गया था। शिकायत के अनुसार यह घटना 10-11 नवंबर की रात को हुई, जब छठ पूजा की छुट्टियों से लौटे एमबीबीएस-2024 बैच के छात्र अपने छात्रावास में थे। इस बीच 2023 बैच के सात वरिष्ठ छात्र कथित तौर पर रात 10 बजे के आसपास छात्रावास में घुसे और करीब 30 मिनट तक रुके।

सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा से पुष्टि हुई कि वरिष्ठ छात्र बिना पूर्व अनुमति के छात्रावास में घुसे थे, हालांकि, फुटेज में 'रैगिंग' का कोई ठोस सबूत नहीं मिला। इसके बावजूद, एंटी-रैगिंग' समित ने इस घटना को अनुशासन का गंभीर उल्लंघन माना, जिसके कारण सात छात्रों को निलंबित कर दिया गया।

अदाणी पर ओडिशा सरकार के अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप 'झूठा' : बीजद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में वर्ष 2000 से जून 2024 तक सत्ता में रहे बीजू जनता दल (बीजद) ने शुक्रवार को कहा कि ये ''आरोप झूठे और बेबुनियाद'' हैं कि राज्य सरकार के अधिकारियों ने केंद्रीय पूल से राज्य को अक्षय ऊर्जा की आपूर्ति के लिए अदाणी समूह से रिश्वत ली।

अमेरिकी न्याय विभाग ने भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति अदाणी तथा उनके भतीजे सागर अदाणी सहित सात अन्य पर महंगी सौर ऊर्जा खरीदने के लिए आंध्र प्रदेश और ओडिशा के अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इसमें अधिकारियों के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। इन परियोजनाओं से समूह को 20 साल से अधिक समय में दो अरब डॉलर से अधिक लाभ होने की उम्मीद है।

हालांकि, अदाणी समूह ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोप 'निराधार' हैं और समूह 'सभी कानूनों का अनुपालन करता है।

बल्लेबाजों के 'फ्लॉप शो' के बाद जसप्रीत बुमराह ने टीम इंडिया को मैच में लौटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पर्थ/भाषा। भारत के कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने हरी भरी पिच पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी के अपने विवादास्पद फैसले की भरपाई करते हुए शुरुआती 'स्पैल' में कहर बरपाती गेंदबाजी की जिसकी मदद से बल्लेबाजों के फ्लॉप शो के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सात विकेट 67 रन पर लेकर पहले टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को मैच में वापसी की।

इस मैच को खराब फॉर्म में चल रहे दोनों टीमों के बल्लेबाजों के बीच मुकाबला माना जा रहा था और पहले दिन 17 विकेट गिरने से इसकी झलक दिखी। विकेट पर घास होते हुए भी टॉस जीतकर जब बुमराह ने बल्लेबाजी चुनी तो सभी को हैरानी हुई क्योंकि इस विकेट से गेंदबाजों को सीम और

अतिरिक्त उछाल मिला। भारत के युवा और अनुभवी बल्लेबाज मेजबान गेंदबाजों का सामना नहीं कर सके। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले नीतिश रेड्डी के 41 रन और ऋषभ पंत के 37 रन को छोड़कर भारतीय पारी में कोई उल्लेखनीय योगदान नहीं दे सका। भारतीय टीम 49 . 4 ओवर में 150 रन पर आउट हो गई। मिचेल स्टार्क ने 11 ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिए जबकि जोश हेजलवुड ने 13 ओवर में 29 रन देकर चार विकेट चटकाए। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने 15 . 4 ओवर में 67 रन देकर दो विकेट लिए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया के पास बुमराह की बेहतरीन गेंदों का कोई जवाब नहीं था। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में शुमार बुमराह ने दस ओवर में 17 रन देकर चार विकेट लिए। मोहम्मद सिराज ने नौ ओवर में 17 रन देकर दो और पहला मैच खेल रहे हर्षित राणा ने आठ ओवर में 33 रन देकर एक विकेट लिया। टेस्ट में पदार्पण कर रहे नाथन मैकस्वीनी (10) को बुमराह ने पगबाधा आउट किया। वहीं उस्मान ख्वाजा (आठ) भी बुमराह की विकेट पर पड़ती खूबसूरत गेंद का शिकार हुए। मार्नस लाबुशेन का कैच टपकाने वाले विराट कोहली ने इस बार कोई गलती नहीं की। खराब फॉर्म से जूझ रहे स्टीव स्मिथ (0) पहली ही गेंद पर पगबाधा आउट हो गए। बुमराह ने दबाव बनाया जिसका फायदा बाकी गेंदबाजों को भी मिला। राणा ने मिडिल स्टम्प पर जाती गेंद पर ट्रेविस हेड (11) का विकेट चटकाया।

निशानेबाजी में जो प्रतिभा है, वह अन्य खेलों में नहीं हैः अभिनव बिंद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुड़गांव/भाषा। बीजिंग ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा कि पिछले एक दशक में देश में निशानेबाजी में काफी विकास हुआ है जिससे अब इस खेल में प्रतिभा की गहराई है। मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर भारतीय निशानेबाजों की अगुआई की।

बिंद्रा ने शुक्रवार को आर्टेमिस अस्पताल में 'पीटीआई वीडियो' से कहा, निशानेबाजी के खेल में जो प्रतिभा है, वह इस देश के किसी अन्य खेल में नहीं है।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय स्तर और विश्व स्तर पर बहुत से निशानेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि पिछले एक दशक में इस खेल ने कितनी प्रगति की है। पेरिस खेलों में भारतीय निशानेबाजों की उपलब्धि ने ओलंपिक में 12 साल के सूखे को भी समाप्त कर दिया जिसमें मनु, सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले ने तीन कांस्य पदक हासिल किए। बिंद्रा ने कहा, कुछ समय के लिए ऐसा भी समय रहा जब दो ओलंपिक में हम कोई पदक नहीं जीत पाए। लेकिन यह खेल का एक अभिन्न हिस्सा है।

सुविचार

**जिंदगी में सारा झगड़ा ख़्वाहिशों का हैं,
न तो किसी को गम चाहिए और
न ही किसी को कम चाहिए!**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धार्मिक स्थल पिकनिक के लिए नहीं

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ला ने यह टिप्पणी कर बहुत गहरी बात कही है कि धार्मिक स्थलों को पिकनिक स्थल नहीं समझना चाहिए। हाल के वर्षों में सड़कों के निर्माण और वाहन सुविधाएं बढ़ने से बहुत बड़ी संख्या में लोग धार्मिक स्थलों पर जाने लगे हैं। तीन दशक पहले, यहां वे ही लोग ज्यादा जाते थे, जिनका एकमात्र उद्देश्य आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करना हो। अब भी काफ़ी लोग इसी उद्देश्य के लिए जाते हैं। साथ ही, ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिनका उद्देश्य वहां मौज-मस्ती करना ज्यादा होता है। पिछले कुछ वर्षों से 'धार्मिक पर्यटन' जैसे शब्द बहुत प्रचलन में आ गए हैं। कुछ विशेषज्ञ टीवी चैनलों पर बताते हैं कि वहां 'धार्मिक पर्यटन' बहुत बढ़ गया, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। वे प्रमाण के तौर पर कुछ आंकड़े पेश करते हैं। ये आंकड़े अपनी जगह सही हो सकते हैं, लेकिन ऐसा विश्लेषण उन स्थलों की आध्यात्मिक विरासत को प्रकट नहीं कर सकता। अगर किसी को 'पर्यटन' यानी घूमने-फिरने के लिए जाना है, तो भारत में ऐसी जगहों की कोई कमी नहीं है। वहां लोग जाते हैं, खर्च की गई राशि का आनंद उठाते हैं, यादगार लम्हों को फोटो व वीडियो के तौर पर सहेजकर रखते हैं। यह पर्यटन है, जिसे केंद्र व राज्य सरकारें प्रोत्साहित करती हैं। अगर किसी को धार्मिक स्थलों पर जाना है तो वह 'पर्यटक' के तौर पर नहीं, बल्कि 'श्रद्धालु' के तौर पर जाए। इन स्थलों की पवित्रता और मर्यादा का खास ध्यान रखे।

धार्मिक स्थलों पर जाकर भारत की महान आध्यात्मिक परंपरा को जानने-समझने का प्रयास करना चाहिए। यहां मौज-मस्ती के लिए कोई जगह नहीं है, बल्कि इन स्थलों पर आना उन्हीं का सफल है, जो इनके संदेश को जीवन में उतारें। इसमें कोई संदेह नहीं कि लोगों में समृद्धि आई है, संसाधनों तक उनकी पहुंच बढ़ी है, जिससे वे 'घूमना-फिरना' भी चाहते हैं। अब तो सोशल मीडिया इसकी एक बड़ी वजह बन गया है। लोग वीडियो बनाकर पोस्ट करते हैं। उन्हें देखकर और लोग भी वहां जाना चाहते हैं। वे इस सिलसिले को दोहराना चाहते हैं। अपने देश के विभिन्न क्षेत्रों को जरूर देखना चाहिए। इसके साथ, उनकी 'प्रकृति' को नहीं भूलना चाहिए। धार्मिक स्थल संतों, तपस्वियों और दिव्य शक्तियों को समर्पित होते हैं। वहां जाकर मन में श्रद्धा का भाव और गहरा होना चाहिए। ऐसे बहुत लोग हैं, जो कभी वैष्णो देवी, अमरनाथ, केदारनाथ आदि तीर्थों की यात्रा पर गए और उससे उनके जीवन की दिशा बदल गई। बहुत लोग ऐसे होते हैं, जिनका किसी स्थान के साथ आध्यात्मिक जुड़ाव इतना गहरा हो जाता है कि वे वहां जाकर जूते-चप्पल तक नहीं पहनते। वे उस स्थान के कण-कण में समाई आध्यात्मिक ऊर्जा को करीब से महसूस करना चाहते हैं। धार्मिक स्थलों पर जाकर संयम का अधिकाधिक अभ्यास करना चाहिए। संयम सिर्फ खानपान का नहीं, आंखों, कानों और वाणी का भी होता है। वहां से लौटने के बाद संयम के अभ्यास को यथासंभव जारी रखना चाहिए। धार्मिक स्थल हमें प्रशिक्षित करते हैं, ताकि हम मन, वचन और कर्म से बेहतर मनुष्य बन सकें। जो 'पर्यटक' बनकर धार्मिक स्थल जाएंगे, वे इससे वंचित रह जाएंगे। उनकी दृष्टि वहां के भौतिक स्वरूप तक सीमित रहेगी। उनका ध्यान खर्च किए गए पैसों का भरपूर फायदा उठाने पर होगा। धार्मिक स्थल 'भोगभूमि' नहीं, बल्कि 'योगभूमि' हैं। जो लोग 'पैसा वसूल' और 'मनोरंजन' की मंशा के साथ जाना चाहते हैं, वे कहीं और जाएं। धार्मिक स्थल इन गतिविधियों के लिए बिल्कुल नहीं हैं।

ट्वीटर टॉक

श्रीगंगानगर में तपोवन ट्रस्ट द्वारा संचालित तपोवन आश्रम का प्रवास के दौरान अवलोकन किया। यहां विमंदितों, निराश्रितों, महिलाओं एवं दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए अद्वितीय एवं अनुकरणीय सहायता की जाती हैं।

-मदन राठौड़

उदयपुर में हुए सड़क हादसे की खबर में लोगों की हुई असमय मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

-दीया कुमारी

मारवाड़ के अमर वीर सपूत एवं महान पराक्रमी वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौड़ जी की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन। आपका अद्वितीय साहस, अटूट देशप्रेम एवं मातृभूमि के प्रति समर्पण हमारे लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

निरंतर सीख से सफलता

एडमंड हेली महान वैज्ञानिक न्यूटन के समकालीन थे। उन्होंने न्यूटन ककी रिसर्च में भी बहुत सहयोग किया था। एक ओर वह खगोल से जुड़ी रिसर्च करते थे, तो वहीं दूसरी ओर न्यूटन के रिसर्च कार्यों में भी सहयोग करते थे। एडमंड धीरे-धीरे न्यूटन के सबसे प्रिय हो गये। इसलिए कुछ शोध छात्र उनकी बेवजह शिकायत न्यूटन से किया करते। मगर न्यूटन ने उनको समझाया कि देखो, यह अपनी प्रयोगशाला के बाहर भी लगातार सीखता रहता है। इसे आत्मप्रशंसा पसंद नहीं। लोगों को बिना बताए और बिना उनको तंग किये भी यह उनसे सीखता रहता है। फिर जो भी शोध-छात्र हर दिन कुछ न कुछ नया सीख रहा है वह एक जिम्मेदार इंसान बनेगा। ऐसा ही हुआ। सर एडमंड हैली एक अंग्रेज खगोलशास्त्री और गणितज्ञ बने, जिन्होंने धूमकेतु की कक्षा की गणना सबसे पहले की थी, जिसका नाम बाद में उनके नाम पर ही रखा गया। उनकी समाधि पर लगे पत्थर पर उन्हें 'अपने युग के खगोलशास्त्रियों का राजकुमार' बताया गया है।

सामयिक

प्रधानमंत्री की गुयाना यात्रा से भारत को क्या फायदा होगा ?

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्रा का तीसरा और अंतिम चरण गुयाना में रहा, जो भारतीय प्रधानमंत्री की 50 साल में पहली आधिकारिक यात्रा थी। गुयाना में उन्होंने दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की, जिससे क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। अब प्रधानमंत्री मोदी जॉर्जटाउन से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं, उनकी यह यात्रा भारत के वैश्विक कूटनीतिक दायरे को और विस्तारित करेगी। वैसे भारत के आम लोगों गुयाना का नाम नहीं सुना था । गुयाना का नाम पहली बार लाइट में आया जा पिछले साल जनवरी में गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली प्रवासी भारतीय दिवस में मुख्य अतिथि रहे थे, जो प्रवासी भारतीयों के लिए भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है। वहीं, अगले महीने उपराष्ट्रपति भारत जगदेव भारत आए। इस साल फरवरी में प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स भी भारत आए थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले साल अप्रैल में गुयाना का दौरा किया था और उस समय पूरे नेतृत्व से मुलाकात की थी। गुयाना के इस क्षेत्र में भारत के एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में उभरने का एक प्रमुख कारण वहां बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीयों की मौजूदगी है, जहां देश की लगभग 40 प्रतिशत आबादी भारतीय मूल की है। भारतीयों को पहली बार 1838 में गिरमिटिया मजदूर के रूप में गुयाना ले जाया गया था। यानी वहां करीब 180 साल से भी ज्यादा समय से भारतीय नागरिक रह रहे हैं।नई दिल्ली स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ साइंसेज (खड्ड) के निदेशक ऐश नारायण रॉय ने मीडिया से बात करते हुए प्रवासी भारतीयों के संदर्भ में मोदी की गुयाना यात्रा के बारे में विस्तार से बताया।रॉय ने बताया कि भारत और कैरिबियन हमेशा से ही बहुत करीब रहे हैं, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, खास तौर पर गुयाना, सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो में। इन देशों में रहने वाले ज़्यादातर भारतीय मूल के लोगों को अंग्रेज उत्तर प्रदेश और बिहार के भोजपुरी भाषी क्षेत्रों से लाए थे। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत, तमाम मुश्किलों के बावजूद, वे ग्रामीण कृषि क्षेत्र, खास तौर पर गन्ने की खेती में योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि जब अंग्रेजों को लगा कि दुनियाभर में चीनी का बहुत बड़ा बाजार है, तो उन्होंने सबसे पहले अफ्रीका से मजदूरों को बुलाया। हालांकि, अफ्रीकी मजदूरों के पास कृषि में विशेषज्ञता नहीं थी। तभी अंग्रेजों ने भारतीयों को गिरमिटिया मजदूर के तौर पर लेने का फैसला किया।रॉय ने बताया कि भारतीयों के पास न केवल अर्थव्यवस्था में योगदान देने बल्कि अपनी संस्कृति को संरक्षित करने का ज्ञान और क्षमता थी। हिंदू और मुसलमान दोनों को भारत से ले जाया गया और वे आज भी दिवाली और ईद जैसे अपने त्यौहार मनाते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृति, धर्म, कला और संगीत जैसी भारत की सॉफ्ट पॉवर इन प्रवासी संबंधों को बहुत मजबूत बनाती है। सांस्कृतिक कूटनीति पर भारत के जोर में भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों, गुयाना के छात्रों के लिए स्कॉलर्शिप और एजुकेशनल प्रोग्राम में सहयोग के माध्यम से संबंधों को मजबूत करना शामिल है। गुयाना के भारतीय समुदाय का भारतीय परंपराओं से गहरा संबंध है, जिससे सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम विशेष रूप से प्रभावशाली बनते हैं। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति इरफान अली के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। वह गुयाना की नेशनल असेंबली के साथ-साथ भारतीय प्रवासियों को भी संबोधित करेंगे।

गुयाना के जॉर्जटाउन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि मेरे लिए अपने घर के दरवाजे खोलने के लिए मैं राष्ट्रपति अली को धन्यवाद देता हूं। राष्ट्रपति अली और उनकी दादी के साथ, हमने एक पेड़ भी लगाया। यह हमारी पहल- 'एक पेड़ माँ के नाम' का हिस्सा है।

मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के रिसर्च फेलो सौरभ मिश्रा बताते है कि प्रधानमंत्री की गुयाना यात्रा विदेश में भारतीय प्रवासियों से जुड़ने और इससे लाभ उठाने की मौजूदा सरकार की नीति के अनुरूप है।मिश्रा ने कहा कि भारत और गुयाना दोनों ही लोकतांत्रिक देश हैं। उन्होंने कहा, गुयाना में एक्टिव लोकतंत्र और मजबूत नागरिक समाज है। गुयाना के लिए मुख्य चिंताएं पर्यावरण संबंधी मुद्दे और जातीयता से संबंधित कुछ सामाजिक तनाव हैं।मिश्रा ने कहा, गुयाना में कई ऐसे क्षेत्र हैं जो समुद्र तल से नीचे हैं। ऐसे में बढ़ते समुद्र स्तर के संदर्भ में वैश्विक मंचों पर साझा दृष्टिकोण तैयार करने की संभावनाएं हैं।

गुयाना के इस क्षेत्र में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण पार्टनर के रूप में उभरने का एक और कारण तेल और गैस के महत्वपूर्ण भंडारों की खोज है। विदेश मंत्रालय के पूर्व सचिव जयदीप मजूमदार ने बुधवार को प्रधानमंत्री की आगामी तीन देशों की यात्रा के बारे में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा था कि जैसा कि आप जानते हैं कि गुयाना तेल और गैस की प्रमुख खोज के साथ आर्थिक और विकासात्मक परिवर्तन के शिखर पर है। भारत और गुयाना ने हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में सहयोग करने पर सहमति जताई है, जिसमें दक्षिण अमेरिकी देश से दीर्घकालिक कच्चे तेल की खरीद और इसके अपस्ट्रीम (उत्पादन में आने वाले वे बिंदु जो प्रक्रिया के आरंभ में उत्पन्न होते हैं) सेक्टर में निवेश शामिल है।2015 से गुयाना तेल उद्योग में एक महत्वपूर्ण ग्लोबल प्लेयर के रूप में उभरा है, जिसमें 11 बिलियन बैरल से अधिक कच्चे तेल के भंडार की खोज की गई है। इसने छोटे कैरेबियाई देश को वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक के रूप में स्थापित किया है। साथ ही नई दिल्ली ने ब्राजील और कोलंबिया जैसे देशों के साथ समझौते करके अपने तेल सप्लाई सोर्स में विविधता लाने के लिए एक्टिव रूप से प्रयास किया है।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने गुयाना सरकार के हिस्से के तेल से एक मिलियन बैरल लिजा कच्चा तेल खरीदा है। इससे पहले क्ख्रउड-मित्तल एनर्जी के एक संघ ने मार्च 2021 में 1 मिलियन बैरल खरीदा था। भारतीय ऊर्जा कंपनियों, विशेष रूप से ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन विदेश और ऑयल इंडिया लिमिटेड ने गुयाना के तेल और गैस क्षेत्र में भाग लेने में रुचि दिखाई है। भारत का लक्ष्य गुयाना के ऊर्जा बाजार में पैर जमाना है, ताकि पश्चिम एशिया से तेल पर निर्भरता कम करते हुए इसकी घरेलू ऊर्जा मांगों को पूरा करने में मदद मिल सके। मिश्रा ने बताया कि हम हाल ही में वहां खोजे गए तेल क्षेत्रों को विकसित करने के लिए गुयाना सरकार के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाश रहे हैं। भारत गुयाना का एक महत्वपूर्ण विकास सहायता भागीदार भी है। मजूमदार ने ब्रीफिंग के दौरान कहा, गुयाना के साथ हमारी लंबे समय से विकास साझेदारी रही है और यह स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, रेन्युएबल एनर्जी और पानी के क्षेत्र में है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ऑफ इंडिया ने एक समुद्री नौका का निर्माण किया, जिसे हमने पिछले साल गुयाना को सप्लाई की थी और हमने इस साल गुयाना को ऋण की एक पंक्ति के तहत दो एचएएल-228 विमान भी सप्लाई किए हैं। लगभग 30,000 घरों में सौर प्रकाश व्यवस्था प्रदान की गई है और अब तक गुयाना से 800 इंडियन टेक्नोलॉजी और इकोनॉमिक कोओपरेशन के पूर्व छात्र भारत में अध्ययन कर चुके हैं।

साल 2021-22 में भारत-गुयाना का कुल व्यापार 223.36 मिलियन डॉलर रहा, जिसमें निर्यात 66.41 मिलियन डॉलर और आयात 156.96 मिलियन डॉलर रहा। यह साल 2020-21 के 46.97 मिलियन डॉलर के मुकाबले बहुत ज़्यादा है। वर्ष 2022-23 के दौरान व्यापार घटकर 66.37 मिलियन डॉलर रह गया, जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 105.97 मिलियन डॉलर हो गया, जिसमें निर्यात 99.36 मिलियन डॉलर और आयात 6।61 मिलियन डॉलर रहा। गुयाना की अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता भी की थी । बताया जाता है कि यह भारत और कैरिकॉम के बीच दूसरा शिखर सम्मेलन था और कैरिकॉम देश में पहला है। एकमात्र अन्य शिखर सम्मेलन 2019 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के हाशिये पर आयोजित किया गया था और यह एक महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन रहा और इस शिखर सम्मेलन के दौरान कैरिकॉम के साथ सहयोग का एक बहुत समृद्ध एजेंडा होने की उम्मीद बनी ।कैरिबियन समुदाय (कैरिकॉम) एक इंटर-गवर्नमेंटल संगठन है, जो 15 सदस्य राज्यों (14 राष्ट्र-राज्य और एक आश्रित) और अमेरिका, कैरिबियन और अटलांटिक महासागर में पांच संबद्ध सदस्यों का एक राजनीतिक और आर्थिक संघ है। इसका प्राथमिक उद्देश्य अपने सदस्यों के बीच आर्थिक इंटिग्रेशन और सहयोग को बढ़ावा देना, इंटिग्रेशन के लाभों को समान रूप से साझा करना सुनिश्चित करना और विदेश नीति का समन्वय करना है।

मिश्रा आगे बताते है भारत ने हाल ही में कैरिबियन और लैटिन अमेरिकी क्षेत्रों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की नीति अपनाई है। यह दुनिया के उपेक्षित क्षेत्रों या ग्लोबल साउथ के साथ जुड़ने के लिए नई दिल्ली के विकसित दृष्टिकोण को उजागर करता है। अनिश्चितताओं से भरी गतिशील भू-राजनीति वाली समकालीन दुनिया में यह एक अनिवार्यता है। रॉय ने बताया कि कैरिकॉम ने कैरिबियन और लैटिन अमेरिका को एक साथ लाया है। उन्होंने कहा, भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन भारत के व्यापार और आर्थिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा और क्षेत्रीय एकीकरण प्रक्रिया में मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने भी इंडो-गुयाना समुदाय और कैरेबियाई राष्ट्र के विकास में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से तीन चीजें संस्कृति, भोजन और क्रिकेट भारत और गुयाना को गहराई से जोड़ती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के बीच समानताओं पर जोर देते हुए कहा कि संस्कृति, खान-पान और क्रिकेट भारत और गुयाना को गहराई से जोड़ते हैं। पीएम मोदी ने इंडो-गुयाना समुदाय की भावना को सलाम करते हुए कहते है कि आपने आजादी और लोकतंत्र के लिए लड़ाई लड़ी है। आपने गुयाना को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि छोटी सी शुरुआत से आप शीर्ष तक पहुंचे हैं। प्रवासी भारतीयों को राष्ट्रदूत कहते हुए मोदी ने कहा कि वे भारतीय संस्कृति और मूल्यों के राजदूत हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि, आप एक भारतीय को भारत से बाहर ले जा सकते हैं, लेकिन आप एक भारतीय से भारत को नहीं निकाल सकते। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इंडो-गुयाना समुदाय के लिए गुयाना अपनी मातृभूमि है और भारत माता अपनी पैतृक भूमि है। भारत के विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ प्रेरणादायक है बल्कि समावेशी भी है। गुयाना के जॉर्जटाउन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि मेरे लिए अपने घर के दरवाजे खोलने के लिए मैं राष्ट्रपति अली को धन्यवाद देता हूं। राष्ट्रपति अली और उनकी दादी के साथ, हमने एक पेड़ भी लगाया। यह हमारी पहल- 'एक पेड़ माँ के नाम' का हिस्सा है। यह एक भावनात्मक क्षण था जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा। मुझे गुयाना का सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस प्राप्त करके बहुत सम्मानित महसूस हुआ।

नजरिया

दांव पर लगी एग्जिट पोल की साख

योगेश कुमार गोयल

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के लिए अंतिम चरण के मतदान की प्रक्रिया के समापन के साथ ही तमाम टीवी चैनलों द्वारा विभिन्न सर्वे एजेंसियों के सहयोग से एग्जिट पोल का प्रसारण कर दिया गया। महाराष्ट्र की सभी सीटों पर एक चरण में और झारखंड में दो चरणों में मतदान हुआ और मतदान की प्रक्रिया के समापन के साथ ही दोनों राज्यों के एग्जिट पोल भी सामने आ गए। लगभग सभी एग्जिट पोल्स में जहां महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की जीत की संभावना जताई गई है, वहीं झारखंड में कांटे का मुकाबला दर्शाया गया है। महाराष्ट्र के लिए कुल 11 एग्जिट पोल जबकि झारखंड के लिए 8 एग्जिट पोल आए हैं। महाराष्ट्र के लिए आए सभी एग्जिट पोल में से 6 में भाजपा गठबंधन यानी महायुति की सरकार जबकि 4 में कांग्रेस गठबंधन यानी महाविकास अघाड़ी को बहुमत का अनुमान है। इसी प्रकार झारखंड के लिए आए एग्जिट पोल में से 4 में भाजपा गठबंधन और 2 में इंडिया ब्लॉक को बहुमत के आसार जताए गए हैं जबकि 2 एग्जिट पोल्स ने त्रिशंकु विधानसभा के आसार जताए हैं।

महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों में चाणक्य स्ट्रैटजीज के एग्जिट पोल में महायुति गठबंधन को 152 से 160 सीटें मिलने की उम्मीद जताई गई है जबकि महाविकास अघाड़ी को 130 से 138 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। वहीं, पी-एमएआरक्यू के एग्जिट पोल में महायुति को 137 से 157 सीटें जबकि महाविकास अघाड़ी को 126 से 146 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की गई है। न्यूज 18 मैट्रिज के एग्जिट पोल में महायुति गठबंधन को 150 से 170 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है जबकि महाविकास अघाड़ी को 110 से 130 सीटें मिलने का अनुमान है। पोल ऑफ पोल्स में भाजपा की अगुवाई वाले महायुति गठबंधन को 146 सीटें और कांग्रेस की अगुवाई वाले महाविकास अघाड़ी को 129 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है, अन्य के खाते में 13 सीटें जाने की उम्मीद जताई गई है। इसी प्रकार झारखंड की कुल 288 विधानसभा सीटों में बहुमत का आंकड़ा 41 है और यहां मैटराइज, चाणक्य, पीपुल्स पल्स तथा टाइम्स नाउ के एग्जिट पोल में राज्य में एनडीए की बहुमत वाली सरकार बनने का अनुमान व्यक्त किया है जबकि एक्सिस माय इंडिया और पी मार्क के एग्जिट पोल के मुताबिक राज्य में फिर से इंडिया गठबंधन की सरकार बन सकती है।

वहीं मतदान प्रक्रिया के समापन के एक दिन बाद सामने आया एक्सिस माय इंडिया का एग्जिट पोल तो हर किसी को चौंका रहा है, जिसमें महायुति को 48 प्रतिशत मत के साथ 178 से 200 के बीच सीटें जीतने की संभावना जताई गई है जबकि एमवीए के महज 37 फीसदी मतों के साथ 82 से 100 के बीच सिमटने की भविष्यवाणी की गई है। वहीं, एक्सिस माय इंडिया के पोल के मुताबिक झारखंड में 81 विधानसभा सीटों में से इंडिया गठबंधन 49-59 सीटें जीतकर मजबूत सरकार बनाने जा रहा है जबकि एनडीए के 12-17 सीटों पर ही सिमटने का अनुमान है।

चूंकि अनेक अवसरों पर यह साबित हो चुका है कि अधिकांश एग्जिट पोल वास्तविक चुनावी नतीजों से मेल नहीं खाते और शायद यही कारण है कि लगभग सभी टीवी चैनल भी अब एग्जिट पोल का प्रसारण करते समय यह उल्लेख करते रहते हैं कि ये केवल एग्जिट पोल हैं, एग्जेक्ट पोल नहीं। अब यह तो 23 नवंबर को चुनाव परिणाम सामने आने के बाद स्पष्ट हो ही जाएगा कि इस बार के एग्जिट पोल सटीक साबित होते हैं या केवल हवा-हवाई। दरअसल पिछले कुछ चुनावों में कुछेक एग्जिट पोल के अनुमान भले ही काफी हद तक चुनाव परिणामों के करीब रहे हों लेकिन यह भी सच है कि कम से कम भारत में तो एग्जिट पोल का इतिहास ज्यादा सटीक नहीं रहा है। पिछले ही महीने हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर भी जितने भी एग्जिट पोल सामने आए थे, सभी बुरी तरह धराशायी हुए थे।

दरअसल सभी एग्जिट पोल में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन उसके बिल्कुल उलट भाजपा ने अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल कर लगातार तीसरी बार सरकार बनाई थी। 4 जून को आए लोकसभा चुनाव नतीजों ने भी एग्जिट पोल की विश्वसनीयता को लेकर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाया था। दरअसल तब भी अधिकांश एग्जिट पोल में भाजपा के 300 के करीब सीटें जीतने का अनुमान लगाया गया था लेकिन भाजपा 240 सीटों पर ही सिमट गई थी। कई एग्जिट पोल्स ने तो एनडीए को 350 से 400 तक सीटें मिलने की भी भविष्यवाणी कर डाली थी लेकिन वास्तविक नतीजों में एनडीए 300 सीटों का आंकड़ा भी नहीं छू पाया था।

वैसे तो एग्जिट पोल ओपिनियन पोल का ही हिस्सा होते हैं किन्तु ये मूल रूप से ओपिनियन पोल से अलग होते हैं। ओपिनियन पोल में मतदान करने और नहीं करने वाले सभी प्रकार के लोग शामिल हो सकते हैं।

ओपिनियन पोल मतदान के पहले किया जाता है जबकि एग्जिट पोल चुनाव वाले दिन ही मतदान के तुरंत बाद किया जाता है। एग्जिट पोल से पहले चुनावी सर्वे किए जाते हैं और सर्वे में बहुत से मतदान क्षेत्रों में मतदान करके निकले मतदाताओं से बातचीत कर विभिन्न राजनीतिक दलों तथा प्रत्याशियों की हार-जीत का आकलन किया जाता है। अधिकांश मीडिया संस्थान कुछ प्रोफैशनल एजेंसियों के साथ मिलकर एग्जिट पोल करते हैं। ये एजेंसियां मतदान के तुरंत बाद मतदाताओं से यह जानने का प्रयास करती हैं कि उन्होंने अपने मत का प्रयोग किसके लिए किया है और इन्हीं आंकड़ों के गुणा-भाग के आधार पर यह जानने का प्रयास किया जाता है कि कहां से कौन हार रहा है और कौन जीत रहा है। इस आधार पर किए गए सर्वेक्षण से जो व्यापक नतीजे निकाले जाते हैं, उसे ही 'एग्जिट पोल' कहा जाता है। चूंकि इस प्रकार के सर्वे मतदाताओं की एक निश्चित संख्या तक ही सीमित रहते हैं, इसलिए एग्जिट पोल के अनुमान हमेशा सही साबित नहीं होते। बहरहाल, अब देखना यही है कि एग्जिट पोल आखिर कितने सही साबित होते हैं?

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

भोपाल में शुक्रवार को आगामी क्रिसमस त्योहार के उपलक्ष्य में लोगों ने केक बनाने का कार्यक्रम आयोजित करके अपने पाक कौशल का प्रदर्शन किया।

मेरी दादी मेरे पिता एएनआर को लड़कियों की तरह तैयार करती थीं: नागार्जुन

पणजी/भाषा। दिग्गज अभिनेता नागार्जुन ने शुक्रवार को कहा कि उनकी दादी हमेशा चाहती थीं कि उनकी एक बेटी हो और जब ऐसा नहीं हुआ तो वह उनके (नागार्जुन) पिता व तेलुगु सिनेमा के मशहूर अभिनेता अक्किनेनी नागेश्वर राव (एएनआर) को लड़कियों की तरह कपड़े पहनाया करती थीं।

नागार्जुन ने एएनआर के नाम से मशहूर अपने पिता को याद करते हुए कहा कि वह (बालों की) चोटी में बहुत सुंदर लगते थे। अभिनेता ने कहा कि उन्हें लगता है कि शायद इसी वजह से एएनआर अभिनय के प्रति आकर्षित हुए होंगे।भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के दौरान संवाद सत्र में, अभिनेता ने एएनआर के बारे में कई किस्से साझा किए। एएनआर की जन्म शताब्दी सितंबर में मनाई गई थी।फिल्म समारोह में तेलुगु सिनेमा के दिग्गज कलाकार एएनआर की 1953 में आई फिल्म देवदासु का पुनर्स्थापित संस्करण भी प्रदर्शित किया गया है।नागार्जुन ने कहा, वह एक बहुत ही साधारण से एक किसान परिवार से संबंध रखते थे। उनका जन्म आंध्र प्रदेश (तत्कालीन मद्रास रेजीडेंसी का हिस्सा) के पास एक गांव में हुआ था, जहां बिजली नहीं होती थी। उन्होंने कहा, मेरी दादी हमेशा चाहती थीं कि उनके घर में बच्ची का जन्म हो।

सैनिकों की कमी से जूझ रहे रूस को जल्द शांति समझौते की दरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शायद यह सोच रहे होंगे कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीतकर सत्ता पर थोड़ा पहले आसीन होते तो उनके लिए बेहतर होता। ऐसा होने पर पुतिन संभवत: एक समझौते को स्वीकार कर लेते, जिसके तहत रूस को यूक्रेन का (लगभग अमेरिकी राज्य वर्जीनिया के आकार का) वह महत्वपूर्ण क्षेत्र हासिल हो जाता, जहां रूसी बलों ने बढ़त हासिल की थी, जबकि यूक्रेन तटस्थ रहकर उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) या यूरोपीय संघ में शामिल होने की किसी भी योजना को फिलहाल के लिए त्याग देता। इस समय यूक्रेन और रूस दोनों युद्ध से थक चुके हैं। रूसी सेना यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ी है, लेकिन रूस युद्ध के लिए सैनिकों की भर्ती को लेकर संघर्ष कर रहा है। हाल में हुए एक खुलासे से इस बात को बल मिला है कि उत्तर कोरिया के सैनिक रूस की तरफ से युद्ध लड़ रहे हैं। रूस ने युद्ध तेज कर दिया है। यूक्रेन से खबरें मिल रही हैं कि रूस ने युद्ध में पहली बार अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। ऐसे में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि इस समय शांति समझौता करना रूस और यूक्रेन दोनों के हित में होगा।

पश्चिमी देशों के आकलन के अनुसार, युद्ध में रूस के लगभग 1,15,000 से 1,60,000 सैनिक मारे गए हैं। इनमें से 90 प्रतिशत सैनिक युद्ध की शुरुआत में मारे गए थे, जबकि 5,00,000 अन्य सैनिक घायल हुए हैं। इन नुकसानों की भरपाई के लिए रूस हर महीने 20,000 नए सैनिकों की भर्ती कर रहा है।

रूस में शांतिकाल के दौरान भी सैनिकों की भर्ती आसान नहीं रही है। नए सैनिकों को अक्सर पुराने सैनिकों की ओर से उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है। इसलिए कई रूसी युवा सेना में भर्ती होने से कतराते हैं। रूसी सेना में 17वीं शताब्दी के अंत से नए सैनिकों के उत्पीड़न का चलन रहा है।

सोवियत संघ के विघटन के बाद, रूसी मीडिया ने सेना में भयावह स्थितियों को उजागर करते हुए बताया था कि सैनिकों को खराब चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं और वे गंभीर कुपोषण से पीड़ित होते हैं। कई रूसियों को यह भी याद होगा कि 1990 के दशक के मध्य में चेचन्या में युद्ध लड़ने के लिए भेजे गए खराब तरीके से प्रशिक्षित सैनिकों के साथ कैसा व्यवहार किया गया था।

ऐसा प्रतीत होता है कि रूस सरकार औसत रूसी सैनिक की सुरक्षा और भलाई के बारे में चिंतित नहीं रही है। सेना को गरीबों और वंचितों को फंसाने के लिए एक जाल के रूप में भी देखा जाता है। रूसी सैनिकों की शहादत को नजरअंदाज कर दिया जाता है और कभी-कभी शवों की पहचान तक नहीं की जाती। अधिकांश नए सैनिक बश्कोर्तोस्तान, चेचन्या, साखा गणराज्य (याकुत्ज़िया) और दागिस्तान जैसे सुदूर पूर्वी गणराज्यों से भर्ती किए जाते हैं। कुल मिलाकर रूसी राजधानी मॉस्को से सैनिकों की भर्ती कम ही होती है, लेकिन मॉस्को के युवा भी सरकार की सख्ती का सामना कर रहे हैं।

बाली के हिंदू त्योहार में नृत्य करती हैं बच्चियां, लेकिन इस परंपरा पर मंडरा रहा खतरा

बाली/एपी

मंदिर में पुजारी और लोगों की भीड़ के समक्ष केतुत नीता वाह्युनी प्रार्थना की मुद्रा में हाथ जोड़कर अपने सिर से लगाती हैं। यह 11 वर्षीय बच्ची पवित्र बाली नृत्य 'रेजांग देवा' करने की तैयारी कर रही है। यह अनुष्ठान दो सप्ताह तक चलने वाले नगुसाबा गोरेंग का हिस्सा है, जो अच्छी फसल के लिए धन्यवाद देने का त्योहार है। ''नगुसाबा'' का अर्थ है देवी-देवताओं का एकत्र होना। बाली में विभिन्न अवसरों और अनुष्ठानों के दौरान रेजांग के विभिन्न रूप किए जाते हैं। त्यौह र के दौरान वाह्युनी और उनकी सहेलियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दो अलग-अलग दिनों में किए जाने वाले रेजांग देवा और रेजांग पुकुक नृत्य केवल वही लड़कियां कर सकती हैं, जिन्होंने अभी तक यौवन प्राप्त नहीं किया है।

केतुत के पिता नियोमन सुब्रत कहते हैं, जब से उसका (दूध का) दांत टूटा है, तब से लेकर युवावस्था तक वह रेजांग करती है। हमारा मानना है कि इस समय के दौरान भगवान को नृत्य प्रस्तुत करने के लिहाज से वे अब भी पवित्र हैं। गेरियाना कौह गांव के पारंपरिक मुखिया, सुब्रत कहते हैं कि उन्हें अपनी बेटी को इस अनुष्ठान में भाग लेते देखकर गर्व होता है। सुब्रत पीढ़ियों से चली आ रही धार्मिक परंपराओं को बनाए रखने की ज़िम्मेदारियों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। बाली हिंदू धर्म, हिंदू दर्शन और स्थानीय जीववादी परंपराओं को कुछ बौद्ध प्रभावों के साथ जोड़ता है। यह जीवन का एक तरीका है, जो लोगों, उनकी विरासत और ईश्वर के बीच संबंध बनाता है। एक दिन बाद, केतुत की मां काडेक क्रिस्नी ने अपने बगीचे से ताजे फूल तोड़े और बेटी के स्कूल जाने के दौरान एक विस्तृत हेडड्रेस तैयार किया।

आज रेजांग पुकुक दिवस है, जो रेजांग के सबसे पवित्र रूपों में से एक है। सुबह हमेशा की तरह यह नियमित है। दिन का उत्तरार्ध मंदिर में बिताया जाएगा। बाली में यही जीवन है। क्रिसनी कहती हैं कि उन्होंने भी बचपन में इसी तरह के अनुष्ठानों में हिस्सा लिया था और उन्हें इस बात की खुशी है कि उनके परिवार में कोई है जो इस अनुष्ठान को जारी रख रहा है।केतुत जैसी कम उम्र की लड़कियों को भी मंदिर में अपनी सेवा देने पर गर्व है। उनके दोस्त भी इस समूह का हिस्सा हैं और वे अपने अनुभव साझा करते हुए उत्साहित हैं।

फिल्म 'बीवी नंबर 1 होगी री-रिलीज'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार डेविड धवन की सुपरहिट फिल्म बीवी नंबर 1, 29 नवंबर को सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी। वर्ष 1999 में प्रदर्शित डेविड धवन की की ब्लॉकबस्टर फिल्म बीवी नंबर वन ने लोगों का खूब मनोरंजन किया था। इस फिल्म में प्यारी पूजा (करिश्मा कपूर) से लेकर तेजतर्रार रूपाली (सुष्मिता सेन) और मिलनसार प्रेम (सलमान खान) तक, हर किरदार दर्शकों का दिल जीत लिया था।सलमान के स्टाइलिश के चार्म और सुष्मिता की ट्रेंड सेटिंग आउटफिट ने 90 के दशक में फैशन को एक नई दिशा दी थी।अनु मलिक द्वारा कंपोज़्ड फिल्म के म्यूजिक ने भी अपनी एक अलग पहचान बना ली थी । चुनरी चुनरी , इश्क सोना है, बीवी नंबर टाइटल ट्रैक आज भी लोगों को डांस करने के लिए मजबूर कर देते हैं। फिल्म बीवी नंबर 1 को 29 नवंबर को पीवीआर आईनॉक्स पिक्चर्स द्वारा सिनेमाघरों में फिर से रिलीज़ किया जा रहा है। डेविड धवन ने कहा, दर्शक अभी भी फिल्म के हास्य और परिवारों को दी गई खुशी के बारे में बात करते हैं। कॉमेडी फिल्मों का सबसे अच्छा आनंद तब मिलता है जब उन्हें एक समूह में और बड़े पर्दे पर देखा जाता है। बीवी नंबर 1 को फिर से रिलीज करने से प्रशंसकों को उन यादों का जश्न मनाने और नए दर्शकों को पेश करने का मौका मिलेगा।

निर्माता वाशु भगनानी ने कहा, बीवी नंबर 1 हमारे लिए बहुत ही खास फिल्म है। फिल्म ने तमाम मुश्किलों के बावजूद दर्शकों को जोड़ा और लाखों लोगों का दिल जीता। इसे बड़े पर्दे पर वापस लाने से हमें हंसी और मस्ती को फिर से जीने का मौका मिल रहा है, खासकर इसकी शानदार स्टार कास्ट के साथ। इस फिल्म का जादू कलातीत है, और हम चाहते हैं कि हर सिनेप्रेमी हंसी के आनंद को एक बार फिर से याद करें।

प्रचार

07-मुंबई में शुक्रवार को एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री करीना कपूर खान।

फिल्म 'सास की सास बनूंगी मैं' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री शुभी शर्मा की फिल्म 'सास की सास बनूंगी मैं' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म सास की सास बनूंगी मैं की कहानी सास और बहू के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें तीन सासें हैं, जो अपनी-अपनी बहुओं को तरह-तरह से टॉर्चर करती हैं। लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब बहुएं अत्याचार का बदला लेने की ठान लेती हैं। शुभी शर्मा इस फिल्म में एक ऐसी बहू का किरदार निभा रही हैं, जो सहनशीलता की मिसाल है। लेकिन जब बर्दाश्त से बाहर हो जाता है, तो वह अपने साथ हुए हर अन्याय का हिसाब बराबर करती है।इस फिल्म का निर्देशन इश्तियाक शेख बंटी ने किया है, जबकि कॉन्सेप्ट संदीप सिंह का है। म्यूजिक ओम झा का है, और गाने प्यारे लाल यादव और अरबिंद तिवारी ने लिखे हैं।

टेलीविजन ने समाज को प्रभावित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है : देवांगना चौहान

मुंबई/एजेन्सी

विश्व टेलीविजन दिवस के अवसर पर देवांगना चौहान, जो ड्राइव विद नैनो (सीजन 3) जैसे शो का हिस्सा रही हैं, जिसकी विजेता हैं, और धड़कन जिंदगी की, सपनों की छलांग, और सावी की सवारी, जैसे कुछ शो का नाम लें, ने कहा, मुझे लगता है कि टेलीविजन ने समाज को प्रभावित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मुझे वह समय याद है जब सास-बहू ड्रामा और समाज पर इसके प्रभाव का खुलासा हुआ था। उन्होंने बताया कि जब वह छोटी थीं, तो जब वे दुकानों पर जाती थीं, तो वे सामान बेचते थे, और कहती थीं कि यह दीया और बाती हम या तुलसी सारे जैसा ही था। उन्होंने कहा, अब चीजें बहुत बदल गई हैं, लेकिन लोग टीवी और टीवी शो से बहुत प्रभावित हुए हैं, चाहे वह लुक हो, किरदार हो या जश्न हो। उन्होंने बताया कि टेलीविजन बहुत ही भरोसेमंद है और उनका मानना है कि लोग स्क्रीन पर दिखने वाले किरदारों से प्रभावित होने लगते हैं। उन्होंने कहा, हर व्यक्ति जो टेलीविजन देख रहा है, वह धीरे-धीरे खुद में किरदार देखना शुरू कर देता है और घर में बैठकर किरदार और दर्शक जुड़ने लगते हैं। यह सिर्फ धारावाहिकों के बारे में नहीं है, बल्कि समाचार, संगीत और फिल्मों के बारे में भी है जो हमें देखने को मिलते हैं। टेलीविजन अधिक यथार्थवादी हो गया है, और यहां तक ङ्कङ्कि दर्शक भी अधिक यथार्थवादी हो गए हैं। टीवी अभी मुक्ति के चरण में है।

मालविका मोहनन फिल्म 'द राजा साहब' में प्रभास के साथ आएंगी नजर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मालविका मोहनन आगामी तेलुगु फिल्म 'द राजा साहब' में पैन-इंडिया सुपरस्टार प्रभास के साथ रोमांटिक गाने में नजर आएंगी।

मालविका मोहनन अपनी शानदार परफॉर्मेंस के साथ पैन-इंडिया सिनेमा में अपनी पहचान बना रही हैं और अब वह तेलुगु डेब्यू करने जा रही हैं। मालविका और प्रभास की जोड़ी ने पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता और चर्चा पैदा कर दी है। दोनों जल्द ही एक रोमांटिक गाने की शूटिंग करेंगे। प्रोडक्शन हाउस से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा किया, मालविका और प्रभास 'द राजा साहब' के लिए एक हॉट रोमांटिक गाना शूट करेंगे। इस गाने की शूटिंग जनवरी और फरवरी के बीच यूरोप में होगी। 'द राजा साहब' एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है और इसे साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म का लेखन और निर्देशन जाने-माने फिल्म निर्माता मारुति कर रहे हैं। इस फिल्म में निधि अग्रवाल भी अहम किरदार में नजर आएंगी।

रोहित सराफ स्टारर 'मिसमैच्ड सीजन 3' की रिलीज डेट की घोषणा

मुंबई/एजेन्सी

रोहित सराफ 'मिसमैच्ड' सीजन 3 में आकर्षक ऋषि सिंह शेखावत के रूप में वापस आ गए हैं! नेटफ्लिक्स और आरएसवीपी मूवीज़ ने हाल ही में सबसे पसंदीदा सीरीज़ के बहुप्रतीक्षित नए सीज़न की घोषणा की, जो 13 दिसंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। इस खबर ने प्रशंसकों को उत्सुकता में डाल दिया है, क्योंकि पुरानी सीरीज़ उनके दिलों में एक विशेष स्थान बनाए हुए है। प्रशंसक एक बार फिर रोहित सराफ का जादू देखने के लिए तैयार हैं। कुछ ही दिन पहले, रोहित सराफ और सह-कलाकार प्राजक्ता कोली ने अपने सोशल मीडिया पर एक गुप्त पोस्ट के साथ प्रशंसकों को इशारा किया था, जिससे अटकलें तेज हो गईं। अब इंतजार खत्म हुआ, बड़ी घोषणा के साथ रिलीज की तारीख आखिरकार आ गई है!

रोहित और प्राजक्ता कोली के बीच की केमिस्ट्री, शो का सबसे बड़ा आकर्षण बनी हुई है, जिससे उनकी ऑन-स्क्रीन जोड़ी प्रशंसकों की पसंदीदा बन गई है। इस साल की शुरुआत में, नेटफ्लिक्स ने प्रशंसकों को सीज़न 3 की पहली झलक दिखाई, जबकि रोहित ने फिल्मांकन के समापन का सेलिबेट करने के लिए पर्दे के पीछे की तस्वीरें साझा कीं। सीरीज का निर्माण आरएसवीपी मूवीज़ द्वारा किया गया है।

'मिसमैच्ड' से परे, रोहित सराफ रोमांचक परियोजनाओं में व्यस्त हैं। उन्होंने हाल ही में वरुण धवन और जान्हवी कपूर के साथ 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के उदयपुर शेड्यूल की शूटिंग पूरी की। इसके अतिरिक्त, प्रशंसक मणिरत्नम की बहुप्रतीक्षित 'ठग लाइफ' में उनकी भूमिका का इंतजार कर सकते हैं। अपने विशिष्ट करिश्मा और प्रतिभा के साथ, रोहित अपनी पीढ़ी के सबसे पसंदीदा अभिनेताओं में से एक के रूप में अपनी जगह पक्की कर रहे हैं।

नयनतारा ने 'एनओसी' प्रदान करने के लिए चिरंजीवी, राम चरण का आभार व्यक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री नयनतारा ने शाहरुख खान, चिरंजीवी, राम चरण और अन्य निर्माताओं का आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स पर आए उनके वृत्तचित्र में अपनी फिल्मों के अंश का उपयोग करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्रदान किया था। सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट में नयनतारा ने उन सभी निर्माताओं का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उनके वृत्तचित्र नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल के लिए बिना किसी झिझक या देरी के अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दिया।

यह पोस्ट नयनतारा द्वारा अभिनेता धनुष पर उनकी 2015 की तमिल फिल्म नानुम राउडी धान के फुटेज का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार करने के कुछ दिनों बाद आई है। उन्होंने कहा, मैंने जिन भी फिल्मों में काम किया है, वे मेरे जीवन में बहुत महत्व रखती हैं, क्योंकि सिनेमा में मेरी यात्रा अनगिनत खुशनुमा पलों से भरी हुई है। इनमें से कई फिल्में मेरे दिल के बहुत करीब हैं और मैं उन यादों और दृश्यों को अपनी डॉक्यूमेंट्री में शामिल करना चाहती थी।

नयनतारा ने कहा, जब मैंने अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित निर्माताओं से संपर्क किया, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट या देरी के उन्हें प्रदान कर दिया। मैं उन सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं। बॉलीवुड से उन्होंने अभिनेता शाहरुख और उनकी पत्नी निर्माता गौरी खान को धन्यवाद दिया। नयनतारा ने तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के साथ-साथ लाइका प्रोडक्शंस के सुभाष करण अलीराजा और एजीएस एंटरटेनमेंट की टीम एस. अघोरम, एस. गणेश और एस. सुरेश को भी धन्यवाद दिया। नयनतारा ने तेलुगु फिल्म उद्योग से चिरंजीवी और उनके बेटे राम चरण का आभार व्यक्त किया।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढ़ेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

चेन्नई हाफ मैराथन के छठे संस्करण का आयोजन कल

फिटनेस और स्वस्थ जीवन शैली का देंगे संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। एनईबी स्पोर्ट्स तथा अपोलो टायर्स द्वारा आयोजित चेन्नई हाफ मैराथन का आग़ाज़ रविवार को बसंत नगर स्थित अल्कॉट मेमोरियल हाई स्कूल ग्राउंड से होगा। इसमें शहरभर से धावक भाग लेंगे। इस आयोजन में धावकों को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है, जिनमें पहली श्रेणी में 21.1 किमी, दूसरी श्रेणी में 10 किमी तथा तीसरी श्रेणी में 5 किमी की दूरी होगी।

हाफ मैराथन सुबह 4:30 बजे शुरू होगी। इसके हर प्रतिभागी को रेस डे टी, फिनिशर मेडल तथा पोस्ट रेस रिफ्रेशमेंट दिया जाएगा। हाफ मैराथन के आयोजन में छह कॉर्पोरेट कंपनियों ने अपनी टीमें उतारी हैं, जिनमें अपोलो टायर्स, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक शामिल हैं।

हाफ मैराथन का मकसद कंपनियों के कर्मचारियों में फिटनेस और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में अमृतांजन बाम भी प्रमुख सहयोगी है। चेन्नई हाफ मैराथन के प्रमुख प्रायोजक अपोलो टायर्स के खेल विपणन तथा संचार प्रमुख रेमस डी क्रूज ने कहा कि इस कार्यक्रम पर लोगों से मिली प्रतिक्रिया बेहद रोमांचित करने वाली है। उन्होंने कहा कि हमें लोगों के जीवन के सभी क्षेत्रों में भागीदारी करने का अवसर मिला है, जो हमारे लिए बहुत गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि हम अपनी पूरी टीम के अंदर स्वस्थ जीवन शैली तथा तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं। एनईबी स्पोर्ट्स के धावक निदेशक नागराज आडिगा ने कहा कि चेन्नई हाफ मैराथन 2017 के अपने पहले आयोजन से बहुत आगे बढ़ चुका है और हर साल इसके भागीदारों की संख्या में वृद्धि हो रही है। उन्होंने इस आयोजन के आनंददायक होने की उम्मीद जताई है।

आपातकाल में संसद ने जो किया, वह सब निरर्थक था, यह नहीं कहा जा सकता : न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि संविधान की प्रस्तावना में ''समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष'' और ''अखंडता'' जैसे शब्द जोड़ने वाले 1976 के संशोधन की न्यायिक समीक्षा की गई है और यह नहीं कहा जा सकता कि आपातकाल के दौरान संसद ने जो कुछ भी किया वह सब निरर्थक था। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य की उन याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिनमें संविधान की प्रस्तावना में ''समाजवादी'' और ''धर्मनिरपेक्ष'' शब्दों को शामिल किए जाने को चुनौती दी गई थी।

हालांकि, प्रधान न्यायाधीश ने कहा, संबंधित संशोधन (42वां संशोधन) का इस न्यायालय द्वारा कई बार न्यायिक समीक्षा की गई है। संसद ने हस्तक्षेप किया है। हम यह नहीं कह सकते कि उस समय (आपातकाल में) संसद ने जो कुछ भी किया वह सब निरर्थक था।

''समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष'' और ''अखंडता'' शब्दों को 1976 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किए गए 42वें संविधान संशोधन के तहत संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया था। संशोधन के जरिये प्रस्तावना में भारत के वर्णन को ''संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य'' से बदलकर ''संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य'' किया गया था। भारत में आपातकाल की घोषणा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक की थी।

पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर 25 नवंबर को अपना आदेश सुनाएगी। सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिकाकर्ता के अनुरोध के अनुसार मामले को बृहद पीठ को भेजने से इनकार कर दिया और कहा कि भारतीय अर्थ में ''समाजवादी होना'' एक ''कल्याणकारी राज्य'' माना जाता है। अधिवक्ता जैन ने कहा कि नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ के हालिया फैसले में, बहुमत की राय ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीशों- न्यायमूर्ति वी आर कृष्ण अय्यर और ओ चिन्नप्पा रेड्डी- द्वारा प्रतिपादित ''समाजवादी'' शब्द की व्याख्या पर संदेह व्यक्त किया।

पीठ ने कहा, भारत में समाजवाद को हम जिस तरह समझते हैं, वह अन्य देशों से बहुत अलग है। हमारे संदर्भ में, समाजवाद का मुख्य अर्थ कल्याणकारी राज्य है। बस इतना ही। इसने कभी भी निजी क्षेत्र को नहीं रोका है, जो अच्छी तरह से फल-फूल रहा है। हम सभी को इससे लाभ हुआ है।

प्रवीण टाटिया को मिला रामदास अग्रवाल जनसेवा सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। राजस्थानी एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी प्रवीण टाटिया को पिछले हफ्ते नई दिल्ली के एनएमडीसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक में रामदास अग्रवाल जनसेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।

टाटिया को यह अवॉर्ड मुख्य अतिथि, हरियाणा सरकार के आपदा प्रबंधन शहरी स्थानीय निकाय एवं विमानन मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने दिया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, महामंत्री राजीव मित्तल, दिनेश गुप्ता सहित देशभर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

भगवान पार्श्वनाथ के जन्म व निर्वाण कल्याणक पर जारी होंगे सिक्के और डाक टिकट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के 2900वें जन्म कल्याणक एवं 2800वें निर्वाण कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में 25 दिसंबर को भारत सरकार द्वारा क्रमशः 900 और 800 रुपए के स्मारक सिक्के जारी किए जाएंगे। भारत के राजपत्र में जारी अधिसूचना के अनुसार 44 मिलीमीटर के वृत्ताकार ये सिक्के शुद्ध चांदी के होंगे। सिक्के के अग्रभाग में 'सत्यमेव जयते' उद्घोष युक्त अशोक स्तंभ तथा मूल्य 900 और 800 रुपए अंकित होंगे। सिक्के के पृष्ठभाग के मध्य में तीर्थंकर पार्श्वनाथ की छवि एवं परिधि में हिंदी और अंग्रेजी में 'भगवान पार्श्वनाथ का 2900वां जन्म कल्याणक' एवं 'भगवान पार्श्वनाथ का 2800वां निर्वाण कल्याणक' अंकित होंगे। हिंदी व अंग्रेजी के नाम के बीच वर्ष '2024' अंकित होगा।

अभुषा फाउंडेशन के शोध-प्रमुख साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने बताया कि 2900 वर्ष पूर्व वाराणसी में जन्मे ऐतिहासिक तीर्थंकर पार्श्वनाथ का 2800 साल पहले सौ वर्ष की आयु में सम्मेद शिखर पर्वत पर निर्वाण हुआ था। उनकी आयु सौ वर्ष होने से पूर्णांक को इंगित करने वाले उनके दोनों कल्याणक एक ही वर्ष में हैं।

उन्होंने बताया कि 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का पूरा परिवार भगवान पार्श्वनाथ का उपासक था। भारतीय चित्रकला, मूर्तिकला और मंदिर शिल्प के विकास में भगवान पार्श्वनाथ के चित्रों, मूर्तियों और मंदिरों का अतुलनीय योगदान है। तमिलनाडु में चट्टानों पर उत्कीर्ण तीर्थंकरों की प्राचीन छवियों में भी पार्श्वनाथ की छवियां संख्या और शिल्प, दोनों दृष्टियों से विशिष्ट हैं।

भगवान पार्श्वनाथ का जन्म कल्याणक प्रतिवर्ष पौष बदी दशम को मनाया जाता है। इस वर्ष यह तिथि 25 दिसंबर को है। उस दिन सरकार सिक्कों के अतिरिक्त स्मारक डाक टिकट भी जारी करेगी।

मुडलपालिया ट्रेडर्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन की कार्यकारिणी गठित हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुडलपालिया ट्रेडर्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों की आम सभा का आयोजन मुडलपालिया स्थित एक होटल में किया गया। सभा की शुरुआत गणेश वंदना और नन्ही बच्चियों के नृत्य से हुई। सचिव अशोक परिहार ने संस्था के सभी सदस्यों का स्वागत कर संस्था द्वारा कोरोना काल में किए गए जनहित के कार्यों, राम मंदिर निर्माण में सहयोग, ट्रस्ट के रजिस्ट्रेशन तथा व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला।

एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने सभी सदस्यों का स्वागत कर सहयोग के लिए आभार जताया। सदस्यों को एकजुट रहकर संस्था को और मजबूत करने का आह्वान किया गया। इस सभा में कुशालपुरा के सरपंच अशोक काग और रायपुर पंचायत समिति के सदस्य किशन पालीवाल, धनराज गौड़ का शॉल एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया।

बैठक में नवीन कार्यकारिणी के गठन और बाजार से संबंधित अन्य मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होने के बाद नवीन कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। नवगठित कार्यकारिणी द्वारा धन्यवाद दिया गया। सभी सदस्यों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। सभा में नवगठित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों का चयन किया गया। इसमें अध्यक्ष पद पर गोपाल शर्मा, उपाध्यक्ष पन्नाराम आगलेचा, सचिव अशोक परिहार, सहसचिव भानाराम गहलोत, कोषाध्यक्ष तरुण काग, सहकोषाध्यक्ष अनिल दक, व्यवस्थापक गोविंदराम गहलोत एवं कार्यकारिणी सदस्य ताराराम पंवार, धर्माराम, राकेश परिहार, जितेंद्र भाई पटेल, लखन कुमावत, जीतमल भटेवरा, मुकेश कुमार, जगदीश जांजावत, भींवाराम आगलेचा को चुना गया।

दस हजार से ज्यादा युवा इंडिया गेट के पास पढ़ेंगे भारतीय संविधान की प्रस्तावना

नई दिल्ली/भाषा। युवाओं में संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सोमवार को 10 हजार से ज्यादा युवा सोमवार को यहां इंडिया गेट के पास इसकी प्रस्तावना का पाठ करेंगे।

संविधान दिवस 26 नवंबर को मनाया जाता है। खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को बताया कि मंत्रालय युवाओं को संविधान के प्रति जागरूक करने के लिए इससे एक दिन पहले 25 नवंबर को यहां के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से 'मेरा संविधान मेरा स्वाभिमान' पदयात्रा का आयोजन कर रहा है जिसमें अब तक 125 से अधिक शैक्षणिक संस्थाओं के 10,000 से ज्यादा युवा पंजीकरण करा चुके हैं।

मांडविया ने यहां कहा, संविधान दिवस के 75वें वर्षगांठ के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में पदयात्रा के दौरान इसमें भाग लेने वाले युवाओं से इंडिया गेट के पास संविधान के प्रस्तावना का पाठ कराया जाएगा।

यह पदयात्रा मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से सुबह साढ़े आठ बजे शुरू होकर अकबर रोड, सुनहरी बाग मस्जिद, कर्तव्य पथ होते हुए लगभग साढ़े पांच किलोमीटर की दूरी तय कर इसी स्थल पर खत्म होगी। इसमें भाग लेने के लिए 15 से 29 साल के युवा 'माई भारत' पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करा सकते हैं।

कोलकाता में शुक्रवार को जंगलमोहल उत्सव के दौरान कलाकार नृत्य प्रस्तुत करते हुए।

'आओ, सवारें बच्चों का कल' कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दी प्रेरणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में महिला मंडल, विजयनगर के अंतर्गत तेरापंथ कन्या मंडल, विजयनगर द्वारा शुक्रवार को 'आओ, सवारें बच्चों का कल' का आयोजन मालगाल स्थित सरकारी स्कूल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। कन्या मंडल की संयोजिका ध्वनि गन्ना ने सभी का स्वागत किया। महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू गादिया ने स्कूल के बच्चों को बड़े होकर अपने व्यवसाय के साथ समाज की सेवा करने की प्रेरणा दी।

खुशी मांडोत ने बच्चों को उदाहरण के जरिए खानपान की शुद्धता के बारे में बताया। मोनिशा मांडोत ने विद्यार्थियों को एक्टिविटीज करवाईं। बच्चों को उपहार भी दिए। मोनिका गांधी ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर महिला मंडल की पदाधिकारी एवं स्कूल की प्रशिक्षक भी मौजूद रहीं।

पूरी दुनिया में महिलाओं के बुनियादी अधिकार और स्वतंत्रता का किस तरह हनन हो रहा है?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन। इराक से लेकर अफगानिस्तान और अमेरिका तक महिलाओं के बुनियादी अधिकार एवं स्वतंत्रता खत्म हो रही है क्योंकि सरकारों ने मौजूदा कानूनों को वापस लेना शुरू कर दिया है। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबानी शासन ने कुछ महीने पहले अफगान महिलाओं के सार्वजनिक रूप से बोलने पर प्रतिबंध लगा दिया। देश में साल 2021 से सत्ता पर दोबारा काबिज हुए तालिबानी शासन ने वहां की महिलाओं पर यह नया प्रतिबंध लगाया है। इसके तहत, अफगान महिलाएं घर के बाहर गाना, ऊंची आवाज में पढ़ना, कविता पढ़ना और यहां तक की हँस भी नहीं सकती हैं।

सद्गुणों का प्रचार और दुराचार की रोकथाम से संबंधित तालिबान का मंत्रालय इन नियमों को लागू करता है। यह इस्लाम धर्म के कानूनों की सबसे कट्टरपंथी व्याख्याओं में से एक को लागू करता है। अफगानिस्तान में महिलाओं को सार्वजनिक रूप से अन्य महिलाओं के सामने कुरान जोर से पढ़ने पर भी प्रतिबंध है। अफगानिस्तान में पिछले तीन वर्षों में तालिबान ने वहां रहने वाली महिलाओं से कई बुनियादी अधिकार छीन लिए हैं। तालिबान ने साल 2021 से लड़कियों के शिक्षा प्राप्त करने पर भी कई प्रतिबंध लगाए हैं, जिसमें पहले उनके सहशिक्षा पर रोक लगाई गई और फिर लड़कियों के माध्यमिक विद्यालय जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। इसके बाद 2023 में नेत्रहीन लड़कियों के स्कूलों को बंद कर दिया गया और चौथी से छठी कक्षा (नौ से 12 वर्ष की आयु) की लड़कियों के लिए स्कूल जाते समय अपना चेहरा ढंकना अनिवार्य कर दिया गया। अफगानिस्तान में महिलाएं अब विश्वविद्यालयों में प्रवेश नहीं ले सकतीं, राष्ट्रीय स्तर पर डिग्री प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं कर सकतीं या कंधार क्षेत्र में दाई का काम या नर्सिंग प्रशिक्षण नहीं ले सकतीं। वहां महिलाओं को अब 'फ्लाइट अटेंडेंट' बनने या घर से बाहर नौकरी करने की भी अनुमति नहीं है। राजधानी काबुल में महिलाओं द्वारा संचालित बेकरी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब ज़्यादातर महिलाएं न तो पैसे कमा पा रही हैं और न ही घर से बाहर निकल पा रही हैं। इस साल तालिबान ने हेलमंद प्रांत में मीडिया से कहा कि वे महिलाओं की आवाज प्रसारित करने से भी बचें। महिला, शांति और सुरक्षा सूचकांक में अफगानिस्तान अंतिम स्थान पर है और संयुक्त राष्ट्र तथा अधिकारियों ने इसे ''लैंगिक रंगभेद'' करार दिया है। कई राजनयिक इस बात पर चर्चा करते हैं कि महिलाओं के अधिकारों के संबंध में तालिबान के साथ बातचीत करना कितना महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके बावजूद वह इन प्रतिबंधों को रोक नहीं पाते हैं। जब राजनयिक मिलते हैं और बैठकें करते हैं तो वे आतंकवाद, मादक पदार्थ, व्यापारिक सौदों या बंधकों की वापसी जैसे मुद्दों पर चर्चा करते हैं। अफगानिस्तान की महिलाओं के साथ इतने कम समय में जो कुछ भी हुआ है उसके बावजूद आलोचकों का कहना है कि यह मुद्दा शायद ही कभी राजनयिकों की प्राथमिकता सूची में शामिल होता है।

इराक में सांसद राद अल-मलिकी ने चार अगस्त, 2024 को इराक के 1959 के व्यक्तिगत स्थिति कानून में संशोधन करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसमें शादी के लिए आयु 18 वर्ष से घटाकर नौ वर्ष हो सकती है (या न्यायाधीश और माता-पिता की अनुमति से 15 वर्ष हो सकती है)।सरकार में रूढ़िवादी शिया गुटों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। इराक के इस कानून में बदलाव होने से न केवल बाल विवाह को वैधानिक मान्यता मिल सकती है, बल्कि महिलाओं के तलाक, बच्चों की देखभाल और उत्तराधिकार से संबंधित अधिकार भी छिन सकते हैं।

अवाडा समूह राजस्थान में पंपयुक्त जलविद्युत भंडारण परियोजना विकसित करेगा

नयी दिल्ली/जयपुर। हरित ऊर्जा समाधान मुहैया कराने वाले अवाडा समूह ने कहा कि वह राजस्थान में 1200 मेगावाट की पंपयुक्त जलविद्युत भंडारण परियोजना विकसित करने के लिए 5,800 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि समूह ने पंपयुक्त भंडारण परियोजना विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के तहत सिरोही जिले में 1200 मेगावाट की कादंबरी पीएसपी का विकास शामिल है। बयान में कहा गया कि अगले 5-7 साल में लगभग 5,800 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ, यह परियोजना राजस्थान की ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने में प्रमुख भूमिका निभाने को तैयार है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बयान में कहा, यह निवेश न केवल बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करेगा, बल्कि टिकाऊ वृद्धि, रोजगार सृजन और आर्थिक मजबूती का रास्ता भी खोलेगा। यह साझेदारी राजस्थान की स्वच्छ ऊर्जा क्षमता को साकार करने में एक मील का पत्थर है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.